देश की आवाज

हमारा स्वराज

भोपाल, इंदौर, उज्जैन से प्रकाशित

www.hamaraswaraj.in twitter.com/hamaraswaraj facebook.com/hamaraswaraj इंदौर, मंगलवार, 04 फरवरी 2025 वर्ष: 10 | अंक: 38 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 2 रुपए

शार्ट न्यूज

इलेक्शन कमिश्नर्स नियुक्ति पर 12 फरवरी को सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 12 फरवरी को सुनवाई करेगा। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि वह इस मुद्दे पर मेरिट के आधार पर अंतिम रूप से फैसला करेगी। इससे पहले ये सुनवाई 4 फरवरी को होनी थी। दरअसल, 8 जनवरी की सुनवाई में याचिकाकर्ताओं इस मामले में जल्द सुनवाई की मांग की थी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के रिटायरमेंट के चलते खाली हो रहे पद का हवाला दिया गया था।

ट्रंप ने मैक्सिको पर लगाए टैरिफ को एक महीने के लिए टाला

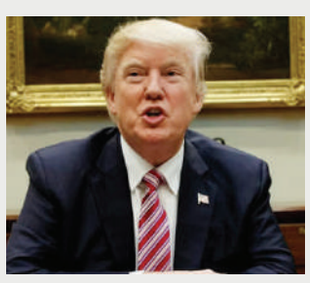

नई दिल्ली। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाउम ने सोमवार को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत के बाद मैक्सिको पर लगाए गए टैरिफ को एक महीने के लिए टाल दिया गया है। व्हाइट हाउस ने उनके बयान की पुष्टि की है। हालांकि, कनाडा और चीन से आयात पर लगाए टैरिफ जारी रहेंगे। शिनबाउम ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैक्सिको 10 हजार नेशनल गार्ड सैनिकों को सीमा पर तैनात करेगा ताकि फेंटेनाइल जैसी नशीली दवाओं की तस्करी रोकी जा सके। इसके साथ ही अमेरिका ने मैक्सिको को आश्वासन दिया है कि वह मैक्सिको को उच्च क्षमता वाले हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए कदम उठाएगा।

दिल्ली में मुस्लिमों की आबादी बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में वोटिंग से पहले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) की एक रिपोर्ट आई है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश और म्यांमार से घुसपैठिए आ रहे हैं। इससे दिल्ली में मुस्लिमों की आबादी बढ़ी है। बांग्लादेशी और म्यांमार के घुसपैठियों के कारण दिल्ली की डेमोग्राफी में बदलाव आया है, जो दिल्ली आज से 10-15 साल पहले हुआ करती थी, आज नहीं है। मुस्लिम आबादी के साथ ही शहर की जनसंख्या में भी बदलाव आया है। इसके कारण अर्थव्यवस्था बर्बाद हो रही है। संसाधनों पर भी दबाव बढ़ा है।

संसद में कांग्रेस नेताओं के अलग-अलग रुख, लोग बोले...

कहना क्या चाहते हो...?

3 फरवरी का दिन बेहद खास रहा। कांग्रेस के दो बड़े नेता सुर में सुर मिलाना ही भूल गए। संसद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने यूपी सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहाकि प्रयागराज महाकुंभ के दौरान मची भगदड़ में मौत का आंकड़ा छुपाया जा रहा है। इसके बाद खडगे को बीजेपी की तरफ से खूब खरी-खोटी सुनने को मिली। वहीं राहुल गांधी ने उल्टा किया। वे मोदी सरकार की कई नीतियों की प्रशंसा कर रहे थे और यूपीए की बुराई। संसद में कांग्रेस के दो बड़े नेताओं की बयानबाजी लोगों को समझ नहीं आ रही है। पता ही नहीं चल रहा है कि विपक्ष कहना क्या चाहता है?

राहुल ने UPA की खामी गिनाई बोले- मेक इन इंडिया की तारीफ

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

संसद में बजट सत्र के तीसरे दिन सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में राहुल गांधी 40 मिनट बोले। उन्होंने कहा- मैंने राष्ट्रपति का भाषण सुना। वे पिछले कई सालों से यही बातें दोहरा रही हैं। आज मैं बताऊंगा कि उनका संबोधन कैसा हो सकता था। राहुल ने कहा- बेरोजगारी पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली हमारी UPA सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की NDA सरकार कुछ नहीं कर पाई। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। PM मोदी का 'मेक इन इंडिया' एक अच्छा आइडिया था, लेकिन नतीजा आपके सामने है। मैं प्रधानमंत्री को दोष नहीं दे रहा, यह कहना सही नहीं कि उन्होंने कोशिश नहीं की, लेकिन वे असफल रहे। राहुल ने स्पीच में अपनी सरकार की भी खामी गिनाई। उन्होंने कहा- देश में बेरोजगारी की समस्या का समाधान कांग्रेस नेतृत्व वाली UPA की सरकार भी अपने 10 साल के शासनकाल में नहीं कर पाई। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार भी पिछले 10 साल में इस पर कुछ नहीं कर पाई। राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की तारीफ की। उन्होंने कहा- देश में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने की जरूरत है। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की हिस्सेदारी 2014 में 15.3% से घटकर आज 12.6% रह गई है। यह 60 वर्षों में सबसे कम है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे बढ़ाने का प्रयास किया। वे मेक इन इंडिया कॉन्सेप्ट लेकर आए। अच्छा प्रयास था।

खडगे का बड़ा आरोप-कुंभ भगदड में हजारों लोग मारे गए

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

संसद में बजट सेशन के तीसरे दिन सोमवार को महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों को लेकर विपक्ष ने दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया। कांग्रेस, सपा समेत तमाम विपक्षी दलों ने सरकार पर मौत का आंकड़ा छिपाने का आरोप लगाया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मौतों की सही जानकारी देने की मांग की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- 29 जनवरी को महाकुंभ में हुई भगदड़ में मारे गए हजारों लोगों को मेरी श्रद्धांजलि। राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उन्हें बयान (हजारों लोगों की मौत) वापस लेने को कहा। जवाब में खड़गे ने कहा कि, 'यह मेरा अनुमान है। अगर आंकड़े सही नहीं हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि सच्चाई क्या है। मैंने किसी को दोषी ठहराने के लिए हजारों नहीं कहा, लेकिन कितने लोग मारे गए, यह जानकारी तो दीजिए। अगर मैं गलत हूं तो मैं माफी मांगूंगा।' महाकुंभ में 28 जनवरी को मौनी अमावस्या के अमृत स्नान से पहले रात करीब 2 बजे भगदड़ हुई थी। यूपी सरकार ने 17 घंटे बाद 30 मौतों और 60 लोगों के घायल होने की बात कही। लोकसभा में भी हंगामा कर रहे सांसद वेल तक पहुंच गए। वे स्पीकर ओम बिरला से कुंभ भगदड़ पर चर्चा की मांग कर रहे थे। बिरला ने सांसदों से कहा- आपको जनता ने यहां सवाल पूछने भेजा है कि मेज तोड़ने, अगर मेज तोड़ने भेजा है तो और जोर से मारिए।

महाकुंभ भगदड़ पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार

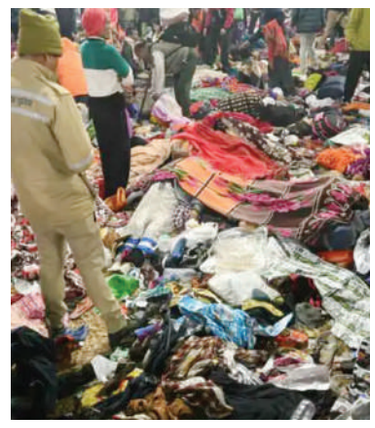

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गाइडलाइन्स जारी करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की इस दलील पर संज्ञान लिया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने 29 नवंबर को कुंभ में भगदड़ की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। साथ ही याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा। दरअसल, कुंभ में भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने जनहित याचिका दाखिल की थी। इसमें देशभर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश देने और नियमों का पालन कराने की मांग की गई थी। मौनी अमावस्या पर 28/29 जनवरी की रात करीब डेढ़ बजे संगम नोज पर भगदड़ मच गई थी। भीड़ ने लोगों को कुचल दिया था। सरकार के मुताबिक, 30 लोगों की मौत हुई और 60 घायल हो गए थे। याचिका में मांग की गई थी कि श्रद्धालुओं की मदद के लिए महाकुंभ में विभिन्न भाषाओं में साइन बोर्ड लगाए जाएं। सभी राज्यों को अपने सुविधा केंद्र बनाना चाहिए, ताकि इमरजेंसी में राज्य अपने लोगों की मदद कर सके। इमरजेंसी में मदद के लिए तैयार रहें, सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में SMS और वॉट्सऐप के जरिए जानकारी दी जानी चाहिए। वीआईपी मूवमेंट से आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रभावित न हो।

सोनिया गांधी-पप्पू यादव के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का दिया नोटिस

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

भाजपा सांसदों ने सोमवार को कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और लोकसभा के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति मुर्मू पर किए सोनिया और पप्पू यादव के कमेंट पर नोटिस दिया गया है। भाजपा के नोटिस में लिखा गया- सोनिया गांधी-पप्पू यादव ने सर्वोच्च पद की गरिमा को कम करने के इरादे से भारत के राष्ट्रपति के खिलाफ अपमानजनक और निंदनीय शब्दों का उपयोग किया है। इसलिए संसदीय विशेषाधिकार, नैतिकता और मर्यादा के उल्लंघन का नोटिस पेश किया। दरअसल, 31 जनवरी को बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर ने दोनों सदनों को संबोधित किया था। उनके अभिभाषण पर सोनिया गांधी ने द्रौपदी मुर्मू के लिए 'बेचारी' शब्द इस्तेमाल किया था। सोनिया ने कहा था कि अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गईं थीं। बह बेचारी मुश्किल से बोल पा रही थीं। पप्पू यादव ने टिप्पणी में कहा था कि राष्ट्रपति रबर स्टैंप की तरह हैं।

मोहन यादव का पूर्वोत्तर के छात्रों से संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अन्तर्राज्यीय छात्र जीवन दर्शन कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2025 में पूर्वोत्तर से आए विद्यार्थियों के साथ ग्रुप फोटो क्लिक करवाई।

70 सीटों पर 5 फरवरी को डाले जाएंगे वोट

दिल्ली में थमा चुनावी प्रचार का शोर

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अभियान खत्म हो गया। दिल्ली में मुख्य मुकाबला बीजेपी, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच है। दिल्ली में 5 फरवरी को वोट डाले जाएंगे और नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। बीजेपी पिछले 25 साल से दिल्ली की सत्ता से बाहर है। यही कारण है कि भगवा पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगा रखी है। हालांकि, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी को भरोसा है कि वे लगातार तीन वर्षों में फिर से सत्ता हासिल करेंगे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में आने के लिए कड़ी मेहनत की। 2013 तक 15 साल तक राजधानी पर राज करने वाली कांग्रेस ने दोबारा सत्ता हासिल करने के लिए कई शो किए। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि चुनाव प्रचार भले ही बंद हो गया हो लेकिन दिल्ली की जनता ने जो फैसला लिया है उसकी झलक 5 फरवरी को दिखेगी। हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस बार विधानसभा चुनाव के लिए बहुत मेहनत की है। दिल्ली बीजेपी को पीएम मोदी के नाम और पहचान का फायदा मिला है. पीएम मोदी की वजह से लोगों ने हमें बहुत प्यार दिया है।

सरकारी कर्मचारियों को करना होगा मराठी भाषा का उपयोग

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सरकारी दफ्तरों में मराठी भाषा के उपयोग को लेकर एक शासनादेश (जीआर) जारी किया है। इस आदेश के मुताबिक, सभी सरकारी कार्यालयों, अर्द्ध-सरकारी कार्यालयों, महाराष्ट्र सरकार के तहत आने वाली कंपनियों और अन्य सरकारी कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों को अपने दफ्तों में आने वाले सभी आगंतुकों से मराठी भाषा में बात करनी होगी। हालांकि, यह नियम विदेश से आने वाले या अन्य गैर-मराठी राज्यों से आने वाले आगंतुकों पर लागू नहीं होगा। वहीं, केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों और बैंकों को मराठी भाषा में ही साइन बोर्ड लगाने होंगे।

वसंती रंग में सजे बाबा महाकाल

हमारा स्वराज | उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्मार्ती में भगवान महाकाल को वसंत पंचमी के अवसर पर पीले वस्त्र धारण करवाये गए और पीले वसन्त के पुष्प अर्पित किये गये। साथ ही केसरिया भात व मिष्ठानों का भोग लगाया गया। सायं आरती में भगवान को पीले वसन्त के पुष्पों के साथ-साथ फाग उत्सव के प्रारंभ में प्रतीकात्मक रूप से गुलाल भी अर्पित किया जाएगा। बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बसंत पंचमी पर्व पर सोमवार को तड़के चार बजे मंदिर के कपाट खोलने के पश्चात भगवान महाकाल को जल से स्नान कराया गया। दूध, दही, घी, शहद, फलों के रस से बने पंचामृत से बाबा महाकाल का अभिषेक पूजन किया गया। भगवान को पीले वस्त्र धारण करवाये गए और पीले वसन्त के पुष्प अर्पित किये गये। साथ ही केसरिया भात व मिष्ठानों का भोग लगाया गया। बसंत पंचमी के पावन पर्व पर बाबा महाकाल का पीले वस्त्र, पीले फूल से देवी स्वरूप में शृंगार किया गया। इस दौरान भगवान को मस्तक पर त्रिशूल, त्रिपुंड और चंद्र के साथ पुष्प अर्पित किए गए। भस्म आरती के दौरान महाकाल का भांग, चन्दन, सिंदूर और आभूषणों से श्रृंगार किया गया। मस्तक पर रत्न जड़ित तिलक, रजत मुकुट, रजत की मुंडमाला और रजत जड़ी रुद्राक्ष की माला के साथ सुगन्धित पुष्पों की माला अर्पित की गई। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई।

विश्व कैंसर दिवस 4 फरवरी 2025

इंदौर में आयुर्वेद बन रहा कैंसर के मरीजों के लिए आशा की किरण

डॉ॰ अखलेश भार्गव,
संचालक आयुर्वेद कैंसर यूनिट, शासकीय अष्टांग आयुर्वेद कॉलेज इंदौर

प्रत्येक वर्ष विश्व कैंसर दिवस कैंसर रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं मरीजों को बेहतर इलाज पहुंचने की दृष्टि से मनाया जाता है। वर्ष 2025 से 2027 के कैंसर दिवस की थीम "यूनाइटेड बाय यूनिक" रखी गई है। जो पूरी तरह से कैंसर मरीजों को समर्पित है। अर्थात यह दिवस कैंसर मरीजों का इलाज के दौरान एवं उनके परिजनों का किस प्रकार का अनुभव रहा, उनको समर्पित है। कैंसर के मरीजों की कहानियां को केंद्र में रखकर बातचीत करना इस बार का उद्देश्य रखा गया है।

कैंसर मरीजों का आयुर्वेद की तरफ बढ़ता रुख

कैंसर के मरीजों का लगातार रुख आयुर्वेद की तरफ बढ़ रहा है। आज हम देख रहे हैं कि कैंसर के मरीजों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है और अनेक प्रकार के सर्जरी, कीमोथेरेपी रेडियोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी एवं अनेक प्रकार की अन्य चिकित्सा के तरीके रोगियों के लिए असफल हो रहे हैं, काफी इलाज कराने के बाद भी कैंसर के फैलने की संभावना बनी रहती है। कैंसर के उपचार के दौरान होने वाले घाव नहीं भरते हैं, तथा मरीजों को कीमोथेरेपी एवं रेडियो थेरेपी के अनेक नुकसान सामने दिखाई देते हैं । ऐसी स्थिति में मरीजों को एक आशा की किरण आयुर्वेद दिखाई देता है,जहां पर उनकी तकलीफ का समाधान होता दिखाई देता है । इंदौर के आयुर्वेद कॉलेज में कैंसर यूनिट मे डॉक्टर अखलेश भार्गव के साथ-साथ डॉक्टर श्वेता वर्मा, डॉ शेखर पटेल, भारत प्रजापति, निशा मालवीय, कमलेश पटेल की टीम लगातार कार्य कर रही है। इंदौर के शासकीय अष्टांग आयुर्वेद कॉलेज, लोकमान्य नगर में कैंसर के मरीज अपनी समस्याओं को लेकर आयुर्वेद कैंसर यूनिट, सर्जरी डिपार्टमेंट मैं आ रहे हैं और अपनी समस्याएं दूर कर रहे हैं, शल्य तंत्र विभाग में अनेक प्रकार की दवाइयों, योगा चिकित्सा, आहार चिकित्सा, व्रण चिकित्सा, सत्वावजय चिकित्सा एवं नशा मुक्ति द्वारा रोगियों का इलाज किया जा रहा है।

लगातार बढ़ती गई मरीजों की संख्या

वर्ष 2020 में कैंसर से पीड़ित आयुर्वेद द्वारा इलाज लेने वाले मरीजों की संख्या 73 थी, जिसमें पुरुष संख्या 42(57.53%) एवं महिला संख्या 31(42.46%) थी। वर्ष 2021 में कुल मरीज 231 रहे, जिसमें पुरुष कैंसर पीड़ित 128 (55.41%) एवं महिला 103 (44.58%) थी, इनमें एक बालक एवं एक बालिका भी इलाज के लिए आए,

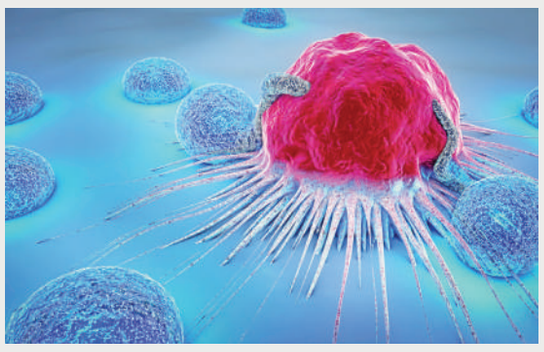

जो रक्त कैंसर से पीड़ित थे। 2022 में कैंसर पीड़ित मरीजों की संख्या 412 थी जिसमें पुरुष 206(50%) एवं महिला पीड़ित की संख्या भी 206(50%) ही थी, अर्थात धीरे-धीरे कैंसर से पीड़ित महिलाओं की संख्या भी बढ़ती गई, 2023 में कुल कैंसर पीड़ित मरीजों की संख्या 526 है जिनमें 261 पुरुष एवं 265 महिला कैंसर पीड़ित हैं, 2023 में भी पिछले वर्ष की अपेक्षा कैंसर पीड़ित महिलाओं की संख्या अधिक रही। संभवत लगता है कि जागरूकता के अभाव में स्तन कैंसर एवं सर्विक्स के कैंसर की संख्या बढ़ रही है। सभी तरह के हैं कैंसर के मरीज अस्पताल में आने वाले कैंसर के मरीज सभी प्रकार के हैं महिलाओं में स्तन कैंसर एवं पुरुषों में मुंह का एवं जीभ का कैंसर अधिक पाया गया है, इसके अलावा सरविक्स कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, लीवर कैंसर, पेट का कैंसर एवं मेटास्टैटिक कैंसर में हड्डी का कैंसर अधिक पाया गया। कुछ मरीज ऑपरेशन के बाद कैंसर के घाव के भी आए, जिनका गाय के घी से बनी हुई दवा द्वारा इलाज किया गया।
कीमो थेरेपी एवं रेडियो थेरेपी की परेशानी के साथ आए मरीज
अनेक मरीज इस प्रकार के भी आए जिनकी कीमोथेरेपी और रेडियो थेरेपी चल रही है अथवा हो चुकी है, जिसकी वजह से उनको अनेक प्रकार की समस्याएं आती हैं, उनको दूर करने के लिए लोग आयुर्वेद इलाज ले रहे हैं।

इंदौर में बायो सीएनजी इकाई शुरू

प्रदेश में कचरा प्रबंधन को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

इंदौर। प्रदेश सरकार नगरीय निकायों को वर्ष 2027 तक कचरा प्रबंधन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यापक प्रयास कर रही है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की इस पहल के तहत इंदौर, रीवा, जबलपुर, कटनी, सागर सहित कई शहरों में अत्याधुनिक कचरा प्रबंधन इकाइयां स्थापित की जा रही हैं।

इंदौर में गीले कचरे से बायो सीएनजी तैयार करने के लिए 550 टन प्रतिदिन क्षमता वाली 'गोबरधन' इकाई स्थापित की गई है। यह इकाई पर्यावरण-संवेदनशील कचरा निस्तारण का एक बेहतरीन उदाहरण है, जिससे न केवल ग्रीन एनर्जी का उत्पादन होगा, बल्कि कचरे का प्रभावी उपयोग भी संभव होगा। रीवा और जबलपुर में कचरे से बिजली बनाने की इकाइयाँ भी संचालित की जा रही हैं। इन संयंत्रों में प्रत्येक दिन 950 टन कचरे का प्रसंस्करण किया जाता है, जिससे 18 मेगावॉट बिजली का उत्पादन हो रहा है। यह पहल राज्य को कचरा प्रबंधन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश के 10 नगरीय निकायों के लिए 1018.85 टन प्रतिदिन क्षमता की कचरा प्रबंधन इकाइयों को केंद्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। इसके तहत इंदौर-उज्जैन में 607 टन कचरे से बिजली बनाने की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिनके शुरू होने से 12.15 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होगा। सरकार का लक्ष्य इन परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाना, स्वच्छता मिशन को मजबूती देना और सतत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना है। इन प्रयासों से प्रदेश में कचरा प्रबंधन की आधुनिक प्रणाली विकसित होगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा।

संघ का उद्देश्य संगठित समाज का निर्माण: मुकुंद जी

हमारा स्वराज | इंदौर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सह सर कार्यवाह मुकुंद जी ने कहा कि संघ का उद्देश्य मात्र संगठन बनाना नहीं, बल्कि समाज को संगठित करना है। युद्धकाल में साथ आना एक बात है, लेकिन शांति काल में भी मिलकर कार्य करना हम सभी का कर्तव्य है। वे 03 फरवरी 2026 को संघ की आईटी श्रेणी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक का संचालन परख्या सॉल्यूशंस के डायरेक्टर स्वप्निल परखता ने किया।

कार्यक्रम में लगभग 50 आईटी कंपनियों के डायरेक्टर्स उपस्थित रहे। इस दौरान मुकेश मोढ़, राज मोहन जी एवं नितिन जी नवाथे भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में संघ की विचारधारा और आईटी सेक्टर के योगदान पर चर्चा की गई। उपस्थित अतिथियों ने संगठनात्मक समन्वय और समाजहित में कार्य करने के महत्व को रेखांकित किया।

घट्टिया विधायक के भाई ने की अपने बेटे की हत्या

हमारा स्वराज | उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में पिता ने पुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी। उज्जैन घटिया के विधायक सतीश मालवीय के भाई मंगल मालवीय है। किराने की दुकान के रुपयों को लेकर हत्या करना बताया जा रहा है। मौके पर माकडोन पुलिस पहुंची और शव को पोस्ट मार्टम के लिए भिजवाया। उज्जैन में भाजपा विधायक सतीश मालवीय के बड़े भाई मंगल मालवीय ने अपने ही बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने बेटे लायसेंसी बंदूक से दो गोली मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना उज्जैन जिले के माकड़ौन थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे हुई है। माकड़ौन तहसील के सुचाई गांव में मंगल मालवीय का बेटे अरविंद मालवीय से किराना दुकान के पैसे को लेकर विवाद हुआ था। कहासुनी इतनी बढ़ी कि गुस्से में मंगल ने लाइसेंसी बंदूक से बेटे अरविंद को गोली मार दी। एक गोली सिर और दूसरी छाती पर लगने से अरविंद की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी मंगल मालवीय पूर्व विधायक नागूलाल मालवीय के बड़े बेटे और घट्टिया से भाजपा के मौजूदा विधायक सतीश मालवीय के बड़े भाई हैं। फिलहाल पुलिस मंगल को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एडिशनल एसपी पल्लवी शुक्ला ने बताया कि माकडोन थाना क्षेत्र के गांव में पिता ने पुत्र को लायसेंसी रिवॉल्वर से सिर में गोली मार दी। दोनों के बीच में किराने की दुकान के रुपए को लेकर विवाद हुआ था।

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने किए महाकाल के दर्शन

हमारा स्वराज | उज्जैन

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने सोमवार को बाबा महाकाल के दर्शन कर महाकाल मंदिर परिसर का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने सपत्नीक बाबा महाकाल का पूजन अर्चन किया। महाकाल मंदिर समिति ने उनका सम्मान किया। इस दौरान संभाग आयुक्त संजय गुप्ता, आईजी उमेश जोगा, डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार शर्मा भी उपस्थित थे।

डॉ. राजौरा ने महाकाल दर्शन के बाद मंदिर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था का

अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि सिहस्थ 2028 के सुचारू संचालन के लिए विशेष स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं की व्यवस्थाएं उचित तरीके से करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि अमृत स्नान के दिन लगभग 3 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, जिसके लिए विशेष तैयारी की आवश्यकता है। इसके बाद, डॉ. राजौरा ने महाराज बाड़ा में पर्यटन विभाग के होटल का निरीक्षण किया और सिहस्थ 2028 के दौरान बनने वाले सड़क मार्गों का अवलोकन किया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए पार्किंग और यातायात व्यवस्था की योजना पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार मार्गों के चौड़ीकरण और पेशवाई मार्ग को व्यवस्थित करने की योजना का भी निरीक्षण किया गया। उज्जैन विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग और सेतु ब्रिज कारपोरेशन के अधिकारियों ने निर्माण कार्यों और प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी दी। अंत में, डॉ. राजौरा ने नीलगंगा स्थित पेशवाई मार्ग का भी अवलोकन किया।

महाकाल मंदिर को मिला अनमोल उपहार: आईडीबीआई बैंक ने CSR फंड से दान किए 13.77 लाख के दो लोडिंग वाहन

हमारा स्वराज | उज्जैन

उज्जैन के प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर को सोमवार को एक खास उपहार प्राप्त हुआ। आईडीबीआई बैंक ने अपने CSR फंड से मंदिर को दो लोडिंग वाहन दान किए, जिनकी कुल कीमत 13 लाख 77 हजार रुपए है। इस अवसर पर मंदिर समिति ने दानदाता को प्रसाद भेंटकर सम्मानित किया। मंदिर के प्रशासनिक कार्यालय परिसर में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान बैंक अधिकारियों ने वाहनों का पूजन किया और मंदिर समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक को वाहनों की चाबियां सौंपीं। बैंक के जोनल हेड रणजीत कुमार सोनी ने बताया कि ये वाहन मंदिर से निकलने वाली पूजा सामग्री के डिस्पोजल में उपयोग किए जाएंगे। कार्यक्रम में मंदिर समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल और अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। मंदिर समिति की ओर से बैंक अधिकारियों को भगवान महाकाल का प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया गया। यह उल्लेखनीय है कि श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति विभिन्न प्रकल्पों का संचालन भक्तों के दान से करती है, जिसमें देशभर के श्रद्धालु और संस्थाएं योगदान देती हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा और यात्री सुविधाओं पर विशेष जोर

मध्यप्रदेश को रेलवे बजट में 14,745 करोड़ का आवंटन

हमारा स्वराज | भोपाल

रेलवे बजट 2025-26 में मध्य प्रदेश को 14,745 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जिससे इन्फ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा और यात्री सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जानकारी दी कि इस वर्ष भारतीय रेलवे के लिए कुल 2,65,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें 116,000 करोड़ रुपये संरक्षा कार्यों के लिए आवंटित किए गए हैं।

राज्य में रेलवे परियोजनाओं की रफ्तार तेज

मध्य प्रदेश में 108,000 करोड़ रुपये की लागत से 31 रेल परियोजनाओं पर काम जारी है। इन परियोजनाओं के तहत 5,869 किलोमीटर के नए ट्रैक बिछाए जा रहे हैं। इसके अलावा, 100 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया गया है। अमृत स्टेशन योजना के तहत राज्य के 80 रेलवे स्टेशनों को 2,708 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है। वहीं, 1,109 फ्लाईओवर और रोड अंडरब्रिज का निर्माण किया गया है, जिससे यातायात सुगम होगा।

रेलवे ट्रैक पर कवच प्रणाली लागू

रेल मंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में 3,572 रूट किलोमीटर रेलमार्ग पर कवच प्रणाली लागू करने की योजना तैयार कर ली गई है। इस प्रणाली के तहत ऑप्टिकल फाइबर केबल, टावर, डेटा सेंटर और आरएफआईडी डिवाइस स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे ट्रेन संचालन और अधिक सुरक्षित होगा।

यात्री सुविधाओं में होगा विस्तार

राज्य में यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 69 रेलवे स्टेशनों पर लिफ्ट लगाई गई हैं।
41 स्टेशनों पर एस्केलेटर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।
408 स्टेशनों पर मुफ्त वाई-फाई सेवा दी जा रही है।
14 जिलों को जोड़ने वाली 4 वंदे भारत ट्रेनें संचालित की जा रही हैं।

परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने पर जोर

रेल मंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में रेल परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने के लिए पर्याप्त बजट आवंटित किया गया है। पश्चिम मध्य रेल की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने भी कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास कार्यों को तेज गति से पूरा किया जा रहा है। इस रेल बजट से राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ-साथ यात्री सुविधाओं में सुधार होगा और यह मध्य प्रदेश के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने दत्तोपंत ठेंगडी संस्थान के भूमि-पूजन कार्यक्रम को किया संबोधित

शिक्षा, संस्कृति और शोध को भारत केन्द्रित बनाना जरूरी

हमारा स्वराज | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ऋषि स्वरूप व्यक्तित्व के श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी ने दीपक के समान स्वयं जलकर विचारों का प्रकाश समाज को प्रदान किया। कृषि, श्रमिकों की स्थिति और स्वदेशी के क्षेत्र में उनका विचार उज्जवल नक्षत्र के समान हैं, जो समाज को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे। विद्यार्थी परिषद के संस्थापक सदस्य के रूप में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। वे हिंदुत्व को राष्ट्रीयता से आगे विश्व बंधुत्व के रूप में देखते थे। उनका मानना था कि चराचर जगत में हिंदुत्व के विचार का विस्तार मनुष्य, समाज, राष्ट्र और मानवता तक है। वर्तमान समय में उनके विचार अधिक समसामयिक हो जाते हैं, सम्पूर्ण विश्व विभिन्न समस्याओं में मार्गदर्शन और उनके समाधान के लिए भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रहा है। भारत अपनी यह भूमिका प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा के आधार पर ही निभा सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न आयामों पर शोध की आवश्यकता अधिक बढ़ जाती है, शोध के क्षेत्र में शासन के साथ-साथ समाज को भी योगदान देना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के नवीन परिसर भवन के भूमि-पूजन और कार्य आरंभ के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विचारक एवं लेखक श्री सुरेश सोनी सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

ज्ञान की ऊर्जा और सामर्थ्य का उपयोग समाज हित में करना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भारत में विद्यमान गुरूकुल और विश्वविद्यालय भारतीय समाज के ज्ञान सामर्थ्य को अभिव्यक्त करते हैं। जीवन के प्रत्येक पल का उपयोग व्यक्ति समाज हित में कर पाए, यही भारतीय संस्कृति के अनुसार, जीते जी मोक्ष प्राप्ति की भावना है। भारतीय विचार, व्यक्ति को संघर्ष के स्थान पर प्रेम और बंधुत्व के लिए प्रेरित करते हैं। जनजातीय समाज सहित भारतीयता के विभिन्न पहलुओं पर समग्रता में शोध के लिए दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान जैसी पहल की अत्यधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू नई शिक्षा नीति पुस्तकीय ज्ञान के स्थान पर व्यवहारिक अनुभूति को अधिक महत्व देती है। इसका उपयोग करते हुए मानवता के हित और लाभ सुनिश्चित करने वाले शोध की ओर अग्रसर होना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बसंत पंचमी के अवसर पर ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के पूजन के साथ हुआ दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान का भूमि-पूजन ज्ञान की ऊर्जा और सामर्थ्य का उपयोग समाज हित में करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। विचारक एवं लेखक श्री सुरेश सोनी ने कहा कि श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी जी भारतीय ऋषि प्रज्ञा की अभिव्यक्ति थे। जीवन के सभी क्षेत्रों में भारतीय दर्शन को केन्द्र में रखना उनकी विशेषता थी। व्यक्तिगत जीवन से लेकर विश्व शांति के विषय उनके विचारों की परिधि में थे। विस्मरण और सही जानकारियां न होना भारतीय अकादमिक जगत की समस्या है। मैकाले की शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आत्मकेन्द्रितता, भोगवाद जैसे जीवन मूल्यों के स्थान पर त्याग, संयम, समर्पण जैसे भारतीय जीवन मूल्यों की स्थापना और भारतीय दृष्टिकोण को विकसित करना भारतीयता को समझने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कृति और शोध को भारत केन्द्रित करने की दिशा में समग्र प्रयास करने की आवश्यकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुसार उत्पादन में प्रचुरता, वितरण में समानता और उपभोग में संयम के त्रिसूत्र के आधार पर समाज और राष्ट्र का निर्माण करना होगा। इस उद्देश्य से शोध को दिशा देने की आवश्यकता है।

ठेंगडी ने भारत केन्द्रित विचार क्रांति का प्रवाह किया

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि श्री ठेंगडी ने भारत केन्द्रित विचार क्रांति का प्रवाह किया। उनके किसानों, श्रमिकों के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में किए गए योगदान का भारतीय ज्ञान परम्परा को समृद्ध करने में विशेष योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश की शोध संस्थाएं भारतीय परम्पराओं में निहित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सामने लाने में सहायक होंगी। शोध के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से नए आयाम स्थापित होंगे तथा प्रदेश में शोध का बेहतर वातावरण भी निर्मित होगा। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि श्रद्धेय ठेंगडी जी राष्ट्रभक्ति और आधुनिकता का अनूठा संगम थे। वे देश का विकास भारतीय सनातन ज्ञान और शिक्षा के आधार पर करना चाहते थे। उनको समर्पित शोध संस्थान भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध पक्षों को समाज के सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दत्तोपंत ठेंगडी संस्थान के अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि श्री ठेंगडी का व्यक्तित्व राष्ट्र धारा में परिष्कृत और परिमार्जित था। वे अपने विचारों से अंधकार पर प्रकाश, विपन्नता पर समृद्धि और अज्ञानता पर ज्ञान की विजय के लिए समाज को निरंतर प्रेरित करते रहे। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा अकादमिक संस्थाओं के पदाधिकारी, विषय-विशेषज्ञ तथा शोधार्थी शामिल हुए।

मध्यप्रदेश बनेगा मौलिक शोध का प्रमुख केंद्र

लेखक श्री सोनी ने कहा कि प्रकृति में जितना महत्व मनुष्य का है, उतना ही जीव जगत, वनस्पति, पर्वत और जल संरचनाओं आदि का भी है। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि जो जितना विवेकशील है, प्रकृति के संधारण और सभी के हितों के संरक्षण में उसका दायित्व भी उतना अधिक है। इस दृष्टि से प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में मनुष्य का दायित्व बहुत अधिक बढ जाता है, यही भारतीय दृष्टि से देखने की प्रक्रिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान इस भारतीय मूल दृष्टि से बहु आयामी शोध गतिविधियों का विस्तार करेगा और मध्यप्रदेश, सम्पूर्ण देश में मौलिक शोध का प्रमुख केन्द्र बनेगा। उन्होंने इस उद्देश्य प्राप्ति में सभी से सहयोग का आव्हान किया।

कुंभ में MP के मरने वालों की संख्या पर सवाल

पीसीसी चीफ बोले- सरकार क्यों छुपा रही मृतकों की संख्या

हमारा स्वराज | भोपाल

पटवारी ने कहा कि जानकारी के मुताबिक प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। प्रशासन का कहना है कि अखाड़ा मार्ग में भीड़ बढ़ने के कारण यह हादसा हुआ। इससे वहां आसपास नीचे सोए श्रद्धालुओं पर अन्य लोग चढ़ गए। उन्होंने कहा कि जब यह हादसा हुआ तक इतने बड़े आयोजन में व्यवस्थाओं के नाम पर 8 हजार करोड़ से अधिक की राशि खर्च की गई, जिसमें ढाई हजार कैमरे, एआई इंटेलीजेंस और पुलिस प्रशासन का खुफिया तंत्र कहां सोया हुआ था? मौत का आंकड़ा बताने में भी सरकार को एक दिन से ज्यादा का समय लग गया।

शवों को ले जाने के लिए नहीं मिली एंबूलेंस

पटवारी ने कहा कि कुंभ मेले में जहां एक ओर हेलीकाप्टर से फूल बरसाए गये, वहीं शवों को ले जाने के लिए एंबूलेंस तक उपलब्ध नहीं हो सकी। केंद्र सरकार, उत्तरप्रदेश और मप्र की सरकार मौतों पर पर्दा डालकर मौतों की सच्चाई को छिपा रही है। इसका प्रमाण यह है कि हाईटेक मेले में मृतकों को न तो डेट सर्टिफिकेट दिये जा रहे हैं न ही कोई सरकारी दस्तावेज। महज खानापूर्ति के लिए हाथ से लिखा हुआ कागज का टुकड़ा थमाया जा रहा है। सरकार के दावों के बीच हकीकत कुछ और है। जहां सैकड़ों लोग भगदड़ में मरे हैं वहीं हजारों लोग अभी भी लापता है।

प्रदेश के अलग-अलग जिलों के लोग शामिल

पटवारी ने कहा कि मप्र के विदिशा, ग्वालियर, नर्मदापुरम, रायसेन सहित अलग-अलग जिलों के लोग इस हादसे में शामिल हैं। इतना ही नहीं नर्मदापुरम के एक परिजन को अपने भाई का शव लाने के लिए सरकार ने कोई मदद नहीं की और उसे 40 हजार रूपये लगाकर शव को अपने घर लाना पड़ा। पटवारी ने कहा कि मप्र सरकार खुलासा करे कि कुंभ मेले में मध्यप्रदेश के कितने लोग हादसे का शिकार हुये, कितने लोग मरे और कितने अभी भी लापता है।

शवों को ले जाने के लिए नहीं मिली एंबूलेंस

पटवारी ने कहा कि कुंभ मेले में जहां एक ओर हेलीकाप्टर से फूल बरसाए गये, वहीं शवों को ले जाने के लिए एंबूलेंस तक उपलब्ध नहीं हो सकी। केंद्र सरकार, उत्तरप्रदेश, मप्र की सरकार मौतों पर पर्दा डालकर मौतों की सच्चाई को छिपा रही है।

प्राइवेट कॉलेजों का वेरिफिकेशन कराएगी मध्यप्रदेश सरकार

हमारा स्वराज | भोपाल

मुरैना जिले के झुंडपुरा में फर्जी कॉलेज का खुलासा होने के बाद सरकार अलर्ट दिख रही है। अब उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में संचालित प्राइवेट कॉलेजों का फिजिकल वेरिफिकेशन कराया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए प्रदेश के सभी अग्रणी शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश जारी कर सात दिन में रिपोर्ट देने को कहा है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि प्रदेश के सभी जिलों को यह रिपोर्ट देनी है कि उनके जिले में पहले से संचालित और प्रस्तावित नए प्राइवेट कॉलेजों का फिजिकल वेरिफिकेशन के बाद क्या स्थिति है। इसके लिए हर जिले में शासकीय महाविद्यालय के दो नियमित शिक्षकों की समिति का गठन कर निरीक्षण कराया जाएगा। निरीक्षण दल की रिपोर्ट अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा को सौंपनी होगी। अग्रणी महाविद्यालयों से यह रिपोर्ट सात दिन में सौंपने को कहा गया है ताकि शासन द्वारा ऐसे कालेजों को एनओसी जारी किए जाने के मामले में फैसला लिया जा सके। निरीक्षण दल को यह देखना होगा कि महाविद्यालय का संचालन खुद के भवन, किराए के भवन या लीज पर लिए भवन में हो रहा है। समिति को उपलब्ध कुल भूमि (एकड़ में), खसरा नंबर और भूमि डायवर्जन की जानकारी देनी होगी। कॉलेज परिसर में मौजूद भवनों की संख्या, उनके क्षेत्रफल और कुल निर्मित क्षेत्रफल का विवरण भी देना होगा। जांच में प्राचार्य कक्ष, व्याख्यान कक्ष, कार्यालय, स्टाफ कक्ष, पुस्तकालय, एनसीसी, एनएसएस कक्ष, छात्राओं के लिए कॉमन रूम, प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर कक्ष, खेल मैदान और पार्किंग क्षेत्र की व्यवस्था का ब्यौरा देना आवश्यक होगा। इंस्पेक्शन टीम को कॉलेज में कुल विद्यार्थियों की संख्या (छात्र-छात्राओं की अलग-अलग), नियुक्त शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ की जानकारी भी जुटानी होगी। प्राइवेट कॉलेज खोलने या नए सिलेबस शुरू करने के लिए एनओसी की स्थिति जांचनी होगी।

भोपाल में भीख देने-लेने वालों पर होगी FIR

हमारा स्वराज | भोपाल

भोपाल में अब भीख लेना और देना दोनों ही जुर्म होगा। भीख लेने और देने वाले पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। निगरानी के लिए जिला प्रशासन चौराहों पर लगे CCTV कैमरों की मदद लेगा।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत इस संबंध में आदेश भी जारी कर रहे हैं। कलेक्टर ने बताया, सोमवार को सभी एसडीएम से कार्रवाई करने को कहा है। भिक्षावृत्ति करने वालों के लिए भिक्षु गृह बनाएंगे। नगर निगम के एक रैन बसेरा में अस्थायी तौर पर भिक्षु गृह बनाने का प्लान है। जहां खाने-पीने और रुकने की व्यवस्था करेंगे। कलेक्टर सिंह के मुताबिक, भिक्षावृत्ति को लेकर आदेश जारी कर रहे हैं। संभवतः सोमवार ही आदेश जारी हो जाएंगे। इसके बाद एसडीएम और तहसीलदार की टीमें मैदान में उतरकर जांच करेंगी। भोपाल में ढाई सौ से अधिक भिखारी है। राजधानी के चौराहों पर महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान जैसे राज्यों से आए लोगों के समूह शिफ्ट पर भीख मांग रहे हैं। सुबह 9 बजे से शाम 6 की शिफ्ट में ये चौराहों पर ड्यूटी बजाते हैं। ये भिखारी खाना नहीं लेते, इन्हें सिर्फ कैश चाहिए। एमपी नगर, रोशनपुरा चौराहा, न्यू मार्केट, कोलार, बिट्ठन मार्केट, बुधवार, ज्योति टॉकीज चौराहा, भोपाल टॉकीज, पीर गेट, नेहरू नगर, लेक व्यू, बोट क्लब, व्यापमं चौराहा, शिवाजी नगर, शाहपुरा, इकबाल मैदान जैसे इलाकों में इनकी संख्या ज्यादा है। बता दें कि करीब सवा महीने पहले महिला बाल विकास विभाग और सामाजिक न्याय विभाग ने भिखारी मुक्त शहर के लिए प्रस्ताव बनाया था। इसमें भीख देने वालों पर स्पॉट फाइन करना था। जिला प्रशासन ने इसे अमलीजाना पहनाने के लिए प्लानिंग भी कर ली। लेकिन, अमल नहीं हो सका। योजना के अनुसार भिखारियों के पुनर्वास के लिए किराए के मकान में बनाया जाने वाला शेल्टर तैयार नहीं हो पाया।

भोपाल में दर्ज हो चुकी एफआईआर

इससे पहले 26 जनवरी की रात में एमपी नगर थाने में एक भिखारी के खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है। पुलिस ने यह कार्रवाई एक नागरिक की शिकायत पर की थी। भीख न मिलने पर भिखारी ने अभद्रता की थी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। हालांकि, जमानती धारा होने के कारण भिखारी को नोटिस देकर छोड़ दिया गया। यह घटना 25 जनवरी की थी। शिकायत के मुताबिक, योगेंद्र भलावी बोर्ड ऑफिस की तरफ आ रहे थे। बोर्ड ऑफिस स्थित सिग्नल पर एक युवक उनसे भीख मांगने लगा। योगेंद्र ने उससे कह दिया, 'इतने हट्टे-कट्टे होने पर भीख मांगते हो।' यह सुनकर भिखारी उनसे अभद्रता करने लगा था। इस पर यह कार्रवाई की गई थी।

सम्पादकीय

डायरेक्ट टैक्स में कमी भी बढ़ाएगी मांग

लंबे अर्से से बढ़ती कीमतों, स्थिर वेतन और करों के बोझ से मध्यम वर्ग वित्तीय दबाव में था। केंद्रीय बजट 2025 में मोदी सरकार ने आयकर छूट सीमा बढ़ाकर व कर दरों में कमी से राहत देने की कोशिश की है। किंतु-परंतु न हो तो अब बारह लाख तक की आय वाले व्यक्ति को कोई कर नहीं देना होगा। धारणा है कि इससे लोगों की आय बढ़ने से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी। खपत में वृद्धि से मांग बढ़ेगी जो कालांतर उद्योगों- अर्थव्यवस्था को गति देगी। निस्संदेह आयकर व्यवस्था का सरलीकरण स्वागत योग्य कदम है। वरिष्ठ नागरिकों की ब्याज आय पर कटौती की सीमा को दुगनी करके एक लाख रुपये सालाना करने से उन्हें लाभ मिलेगा। इसी तरह किराये की आय पर निर्भर सेवानिवृत्त लोगों को बढ़ी हुई टीडीएस सीमा का लाभ होगा, जिसे अब बढ़ाकर छह लाख सालाना कर दिया गया है। लेकिन दूसरी ओर ईपीएफ,पीपीएफ, बीमा और होम लोन पर प्रमुख कटौतियों का लाभ हटाने से आम आदमी की वास्तविक बचत खत्म हो सकती है। जिससे दीर्घकालीन बचत में गिरावट संभवित है। नई व्यवस्था पीएफ और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में निवेश को हतोत्साहित करती है। यह स्थिति उनकी भविष्य की वित्तीय सुरक्षा को कमजोर कर सकती है। कर राहत के साथ जरूरी है कि मध्यम वर्ग की आय में वृद्धि हो और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण किया जाए। निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त लोगों की सामाजिक सुरक्षा के बारे में भी सोचना जरूरी है। लेकिन आयकर राहत से मध्यम वर्ग की बचत-खपत बढ़ने से क्या वास्तव में आर्थिकी को गति मिल सकेगी? एक अनुमान के अनुसार भारत में आबादी का चालीस फीसदी मध्यम वर्ग के दायरे में आता है। दरअसल, भारतीय अर्थव्यवस्था मांग की कमी से जूझ रही है। मध्य वर्ग ही वस्तुओं और सेवाओं का बड़ा उपभोक्ता वर्ग है। उसकी क्रय शक्ति कम होने व बचत नहीं होने से उसकी खरीद क्षमता बाधित हुई है। मांग कम होने से उत्पादन में गिरावट आई है और नया निवेश प्रभावित हो रहा है। यही वजह है कि बीते वर्ष में विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम 6.4 रही है जिसके आर्थिक सर्वे में इस साल 6.8 तक रहने का अनुमान है। जो विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। सरकार का मानना है कि आयकर में कटौती से बचत और खपत को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल, मध्यम वर्ग उपभोक्ता, कर्मचारी और सहायक सेवा करने वाले लोगों का नियोक्ता होता है। सरकार मानती है कि इससे अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। वहीं कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश में अप्रत्यक्ष करों में कमी से मांग को ज्यादा बढ़ावा मिल सकता है। अप्रत्यक्ष कर मध्यमवर्ग के बजाय गरीब लोगों को भी देना पड़ता है।

गतिशील, महत्वाकांक्षी और 21वीं सदी की ज्ञान अर्थव्यवस्था में नेतृत्व करने वाला बजट

डॉ भूपेंद्र कुमार
स्तंभ लेखक

भारत की वितमंत्री निर्मला सीतारमण के पेश बजट 2025 में वह सब कुछ था जिसकी नए युग के भारत को जरूरत थी और जिसका वह हकदार था। भारत में स्टार्ट-अप संस्कृति को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया गया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अधिक ध्यान देने की मांग की गई, और साथ ही भारत के स्थानिक प्रयासों के उत्थान के लिए कुछ प्रेरणा की सख्त जरूरत थी। बजट 2025 ने इन सभी बिंदुओं पर जोरदार तरीके से ध्यान दिया है। 500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ स्कूलों में एआई के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने से लेकर स्टार्ट-अप के लिए 10,000 करोड़ रुपये के नए फंड ऑफ फंड्स (FFS) तक, और निजी क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान, विकास और नवाचार पहल को लागू करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये का आवंटन। जहाँ जरूरत है, वहाँ पैसा है!

जबकि अधिकांश प्रमुख घोषणाओं को विशेषज्ञों ने प्रगतिशील और सही दिशा में बताया है, कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें दूसरों की तुलना में अधिक बढ़ावा देने की आवश्यकता थी। एनडीए सरकार के बजट 2025 ने इन प्रमुख क्षेत्रों में निराश नहीं किया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सभी की निगाहें नवाचार, तकनीक और भू-अंतरिक्ष कौशल पर हैं और भारत को कहीं उल्लेखनीय हासिल करने के लिए अभी से शुरुआत करनी होगी। बजट में इन सभी बातों को ध्यान में रखा गया है।

शुरुआत के लिए, स्टार्ट-अप

बजट में, स्टार्ट-अप के लिए वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) को 91,000 करोड़ रुपये से अधिक की प्रतिबद्धता मिली है, जिसे 10,000 करोड़ रुपये के सरकारी फंड ऑफ फंड्स द्वारा समर्थित किया गया है। स्टार्ट-अप के लिए केवल बढ़ी हुई धनराशि ही उत्साहजनक नहीं है, बल्कि यह तथ्य भी है कि उन्हें ऋण तक बेहतर पहुंच प्राप्त होगी, जो सभी अंतर पैदा करता है। वित्त मंत्री ने केवल 1 प्रतिशत की कम गारंटी शुल्क के साथ 10-20 करोड़ रुपये के बीच ऋण देने की योजना की रूपरेखा भी तैयार की।

भारत सरकार के लिए अपनी सारी ऊर्जा स्टार्ट-अप संस्कृति की ओर लगाना क्यों महत्वपूर्ण था?

राष्ट्रपति द्वारा नए सिरे से अप्रवास विरोधी अभियान और अमेरिका में एच1बी की जन्मसिद्ध नागरिकता को रद्द करने की चर्चाओं के साथ, यह स्पष्ट है कि पारंपरिक अमेरिकी सपना अब उतना सुलभ नहीं है जितना पहले था। इसमें एच1बी वीजा की कमी को जोड़ दें, तो विदेश जाने के लिए उत्साहित भारतीयों के लिए समस्याओं का एक कॉकटेल है। इसने भारत को अपने स्वयं के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया है। ऐसा माहौल बनाकर जहां नवाचार, उद्यमशीलता और प्रतिभा घरेलू स्तर पर पनप सकें, भारत न केवल अपने सबसे प्रतिभाशाली दिमागों को बनाए रख सकता है, बल्कि खुद को तकनीकी और आर्थिक विकास के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में भी स्थापित कर सकता है। हम महसूस करते हैं कि भविष्य घर पर अवसरों का निर्माण करने में निहित है, न कि विदेश में अनिश्चित संभावनाओं का पीछा करने में।

इस दृष्टि से बजट सही दिशा में उठाया गया कदम है।

सरकार ने 500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए तीन उत्कृष्टता केंद्र भी प्रस्तावित किए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, आवंटन में सबसे अधिक वृद्धि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत अप्रैल 2024 में शुरू किए गए इंडियाएआई मिशन को दी गई है। इस मिशन के तहत, भारत सरकार स्टार्ट-अप और शोधकर्ताओं को घरेलू एआई मॉडल बनाने की उम्मीद में सब्सिडी वाली ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) तक पहुंच की अनुमति देती है।

एआई को एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है, बजट 2025 ने 2025-26 के लिए इस मिशन के लिए 2000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। यह संशोधित अनुमानों से 1056 प्रतिशत की वृद्धि है। एआई में उत्कृष्टता केंद्रों का उद्देश्य शासन में एआई अनुप्रयोग के अवसरों का पता लगाना है। 'उत्कृष्टता केंद्रों को 200 करोड़ भी आवंटित किए गए हैं, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान 110 करोड़ रुपये से 82 प्रतिशत अधिक है।'

कुल मिलाकर, वित्त मंत्रालय ने केंद्रीय बजट में उन योजनाओं के लिए कुल 4,349.75 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एआई के विकास से जुड़ी हैं।

डीपसीक जैसे एआई नवाचारों के तेजी से बढ़ने के साथ, बजट 2025 में एआई के लिए भारत का जोर किसी भी अन्य चीज़ की तुलना में अधिक रणनीतिक है। जैसे-जैसे वैश्विक तकनीकी केंद्र कम सुलभ होते जा रहे हैं, भारत को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए अपना स्वयं का एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना होगा। एआई में निवेश न केवल यह सुनिश्चित करता है कि भारतीय प्रतिभा तकनीकी सफलताओं की अगली लहर को आगे बढ़ाए, बल्कि यह विदेशी तकनीकी दिग्गजों पर निर्भरता को भी कम करता है। घरेलू स्तर पर एआई की प्रगति को बढ़ावा देकर भारत खुद को नवाचार में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित कर सकता है, और इस प्रकार सिलिकॉन वैली के बराबर अवसर पैदा कर सकता है। आज के बजट घोषणा में, सीतारमण ने बजट 2025-26 में राष्ट्रीय भू-स्थानिक मिशन शुरू करने की योजना का खुलासा किया। मिशन का उद्देश्य देश भर में भूमि अभिलेखों का आधुनिकीकरण और शहरी नियोजन को बढ़ाना होगा। बजट दस्तावेज़ में कहा गया है, 'यह पहल मौजूदा पीएम गति शक्ति ढांचे का लाभ उठाकर आधारभूत भू-स्थानिक अवसंरचना और डेटा विकसित करेगी, जिससे अवसंरचना परियोजनाओं के बेहतर डिज़ाइन और निष्पादन में सुविधा होगी।'

मिशन की घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब वैश्विक भू-स्थानिक बाजार बड़े पैमाने पर विस्तार की दहलीज पर है - अनुमान है कि 2030 तक यह 1,064 मिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। भू-स्थान पर सही ध्यान केंद्रित करते हुए, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह इस दौड़ में बना रहे, न कि इससे बाहर। ये दूरदर्शी कदम हैं जो अंतरिक्ष अन्वेषण और तकनीकी नवाचार में भारत की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हैं। जैसे-जैसे वैश्विक शक्तियाँ रणनीतिक, वैज्ञानिक और आर्थिक लाभ के लिए अंतरिक्ष पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं, भू-अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत का निवेश इस प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। यह मिशन न केवल उपग्रह प्रौद्योगिकी, जलवायु निगरानी और रक्षा अनुप्रयोगों में प्रगति को बढ़ावा देगा बल्कि वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों की एक नई पीढ़ी को भी प्रेरित करेगा।

यह एक साहसिक कदम है जो अंतरिक्ष अन्वेषण के भविष्य में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एआई, अंतरिक्ष अन्वेषण और स्टार्ट-अप एक दूरदर्शी न्यू इंडिया के स्तंभों का सच्चा प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ मिलकर, वे राष्ट्र को आत्मनिर्भरता, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और आर्थिक लचीलेपन की ओर ले जाते हैं। और साथ मिलकर, ये क्षेत्र भविष्य के लिए तैयार भारत का प्रतीक हैं।

राम भरोसे चल रही व्यवस्था के निहितार्थ

जो राख से राख, धूल से धूल। उतनी ही भक्ति, निराशा, हताशा, क्रोध और तो और संतुष्टि तक को भी खुद में समा ले, सबसे बढ़कर है उसकी पिछले कुछ सहस्राब्दियों से जारी तिरस्कार को सहन करने की शक्ति। और इसीलिए, इस सप्ताह की शुरुआत में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पवित्र मौनी अमावस्या की रात को गंगा ने 31 और शवों को जज्ब कर लिया – बगल के गांव झूसी में भी सात अन्य शवों को – एक दिन पहले हुई यह भगदड़ हालांकि बहुत छोटी थी। जहां पर कई करोड़ लोग शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए ठीक एक ही समय पर संगम में पवित्र डुबकी लगाएं, वहां 38 जिंदगियां कहां गिनती में। योगी आदित्यनाथ ने अभी भी मृतकों की उस गिनती की पुष्टि नहीं की है जो उनकी पुलिस बता रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने शोक संतप्त परिवारों को दिलासा दिया है। विश्व हिंदू परिषद के वैश्विक प्रमुख आलोक कुमार का कहना है कि इसमें भी 'प्रभु की इच्छा' है। समस्या यह है कि विश्व हिंदू परिषद का नेता सही है। पिछले कुछ दिनों से गंगा किनारे के आश्रमों और अखाड़ों में तीर्थयात्रियों की मौत पर भले ही गहरा दुःख पसरा हो, लेकिन कुल मिलाकर यह भावना अभी भी प्रबल है 'चलो, हो गया। था तो भयानक, लेकिन फिर यह कुंभ है। वह भी कोई साधारण नहीं, बल्कि महाकुंभ। जब लाखों श्रद्धालु एक साथ इतनी छोटी-सी जगह में इकट्ठे प्रार्थना करना चाहते हों, तो किसी भी सरकार को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है?' मेरे जैसे लोग आस्थावानों के अडिग भाग्यवाद पर प्रश्न कर सकते हैं, शायद समस्या का यह भी एक हिस्सा है। आप में कुछ अधिक उद्वेलित हुए अपने पैर पटकते हुए मांग कर सकते हैं कि इस मुख्यमंत्री को बर्खास्त करो, उस डीजीपी का तबादला करो। इसके बजाय, मेरा आपसे अनुरोध है कि गर्माइश भरे अपने घरों से बाहर निकलकर निकटतम रेलवे स्टेशन पर पहुंचें, जहां से प्रयागराज के लिए 'कुंभ स्पेशल' रेलगाड़ियां रवाना हो रही हैं। अपने सिर पर खाने-पीने का सामान लादकर ले जाते श्रद्धालु दिखेंगे : सबसे गरीब तबके के लोग, जिनके पास आलम्बन के तौर पर सर्वशक्तिमान में विश्वास के अलावा कुछ भी नहीं है –यह सोचकर कि शायद, किसी दिन, वह उनकी हालत बहुराएगा। रेल के डिब्बे इंसानों से खचाखच भरे हैं, तंबई रंग के चेहरों पर काली, उम्मीद भरी आंखें, सिर पर गमछा बांधे पुरुष, चमकीले रंग की साड़ियां पहने महिलाएं – लाल, नारंगी, गुलाबी – जो कि उर्वरता और मेले के रंग हैं। बेशक, यह तीर्थयात्रा आनंद पाने के लिए भी है। गंगा पर बने पंटून पुलों से होते हुए संगम की ओर जाते वक्त और वहां से वापसी के दौरान 'जय मां गंगे' का जयकारा गूंजता रहता है!

वसंत पंचमी सरस्वती जन्मोत्सव

भोजशाला में सूर्योदय से सूर्यास्त तक मां वाग्देवी का पूजन

हमारा स्वराज | धार

वसंत पंचमी पर ऐतिहासिक भोजशाला में मां वाग्देवी सरस्वती जन्मोत्सव की शुरुवात बसंत पंचमी से होगई हजारों की संख्या में हिंदू समाज उदाजी राव चौपाटी से मां वाग्देवी का तेलचित्र विशेष बग्गी में लेकर विशाल शोभायात्रा के रूप में भोजशाला पहुंचे और वह एक विशाल धर्मसभा के रूप में परिवर्तित हो गई। धर्मसभा को महामंडलेश्वर श्री ईश्वरानंद उत्तम स्वामी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित किया। बसंत उत्सव पर्व को लेकर भोजशाला परिसर को भगवा पताकाओं से सजाया गया था साथ ही श्रद्धालुओं ने यज्ञकुंड में आहुतियां दी। यज्ञकुंड को गोबर से लिपकर आकर्षक सजावट की गई थी। 3 फरवरी को बसंत पंचमी के साथ तीन दिनी बसंतोत्सव की भी शुरूआत हो गई। सूर्योदय के साथ ही भोजशाला में मां वाग्देवी की पूजा का क्रम शुरू हुआ जो सूर्यास्त तक जारी रहा। दिनभर में हजारों लोगों ने मां वाग्देवी के दर्शन किए। साथ ही यज्ञ में आहुतियां भी दी। शोभायात्रा प्रमुख मार्गों से होते हुए भोजशाला पहुंची। जहां पर महाआरती के बाद धर्मसभा का आयोजन हुआ। भोज उत्सव समिति द्वारा आयोजित बसंतोत्सव के तहत धर्मसभा में संत उत्तम स्वामी जी महाराज भी शामिल होने के लिए भोजशाला पहुंचे थे। शोभायात्रा में शामिल होने के बाद उन्होंने धर्मसभा को संबोधित किया। आयोजन को लेकर पूरे शहर को भगवा पताकाओं से सजाया गया था। वहीं सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए थे।

धर्मसभा को महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी ने संबोधित किया

धर्म सभा को संबोधित करते हुए श्री उत्तम स्वामी जी ने कहा कि इतना बड़ा हिंदू समाज भोजशाला में आकर एक वर्ष बैठ जाए तो लंदन से आने में मां को देर नहीं लगेगी। हम इतने सहिष्णु हो गए कि भगवान राम के मंदिर के लिए हमे 500 वर्ष लगे हमें संकल्प लेना होगा कि आज के बाद भोजशाला में नमाज नहीं पढ़ी जाएगी मुस्लिमों का डीएनए भी भारतीय हे। मां सरस्वती सभी को सद्बुद्धि दे आज 5 लाख परिवार कश्मीर में शरणार्थी बने हुए है। अब संघर्ष का समय नहीं हे अब प्राप्ति का समय आ गया है। आज आप लड़ोगे तो आप की आने वाले पीढ़ी भोजशाल में मां वाग्देवी सरस्वती के दर्शन करेगी आज भी हिंदू समाज में महाराजा भोज महाराणा प्रताप छत्रपति शिवाजी महाराज के जैसे पराक्रमी युवा है। ऐसा कोई काज नहीं जग में जो संकल्प करे और वो पूरा नहीं हो अब समाज में जागृति की जरूरत है। जन जागरण के लिए में स्वयं 15 दिन की जनजागरण यात्रा इस क्षेत्र में निकालूंगा आज इस मंच से में मुख्यमंत्री मोहन यादव को कहना चाहता हूं कि अगली बसंत पंचमी तक भोजशाला में मां वाग्देवी सरस्वती की स्थापना करे। कुछ लोगों ने ऐसा कोई मंदिर नहीं छोड़ा जिसे तोड़ा नहीं हो में उन्हें कहना चाहता हूं कि आज वे भाईचारा दिखाए और मंदिरों को मुक्त कर हिन्दू समाज को सौंपे 1 हजार साल पहले केवल सनातन धर्म था आक्रांताओं के डर से कुछ लोगों ने अपना धर्म बदल लिया था। मेरी चर्चा गजेंद्र सिंह शेखावत से भी भोजशाला के लिए बात की है और मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी बात करूंगा ।

दूसरा दिन मंगलवार: 4 फरवरी को सुबह 8.55 बजे मंगलवार को मां सरस्वती मंदिर भोजशाला में नियमित सत्याग्रह होगा। दोपहर 2.30 बजे मातृशक्ति सम्मेलन होगा। मुख्य अतिथि धर्मजागरण प्रांत सह संयोजिका भारती दीदी होंगे। रात 8 बजे भजन संध्या होगी। इसमें भजन सम्राट द्वारका मंत्री भजनों की प्रस्तुतियां देंगी।

कैमरों से हुई निगरानी

इधर आयोजन को लेकर पुलिस ने भी सख्त बंदोबस्त किए थे। सुरक्षा को लेकर भोजशाला के मुख्य द्वार से लेकर परिक्रमा मार्ग तक बैरिकेड्स लगाए गए थे, दर्शन के लिए आने वाले लोग इन बैरिकेड्स के माध्यम होकर गुजरे । साथ ही 70 से अधिक सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे, यहां पर अस्थाई थाना भी बनाया गया था। जहां से अधिकारी पूरे क्षेत्र की निगरानी करते रहे । सुरक्षा के नोडल अधिकारी एएसपी डॉ इंद्रजीत बाकलवार थे । भोजशाला सहित 200 मीटर का एरिया पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था।

वन विभाग की टीम पांच घंटे परेशान होती रही

सोशल मीडिया पर अपलोड किया पुराना वीडियो, मच गया हड़कंप

हमारा स्वराज | धार

सोशल मीडिया पर औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर के एक कारखाने में तेंदुआ होने की खबर चलने पर कारखाने के कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया। और वन विभाग पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग धार व इंदौर के दो दल जिसमें करीब दस वन अधिकारी व वनकर्मी की टीम ने कारखाने परिसर को देखकर उसकी तलाशी ली । लेकिन पूरे कारखाना परिसर में कही भी तेंदुआ नहीं दिखा । वन विभाग की टीम ने आसपास क्षेत्र के कारखाने व क्षेत्र को देखा तो कही कोई निशान नहीं मिले। वन विभाग धार के मांडू क्षेत्र के रेंजर भुवानसिह मंडलोई ने बताया कि पीथमपुर के एक कारखाने में तेंदुआ आने की सूचना मिली तो धार और इंदौर की वन टीम ने कारखाना परिसर व प्लांट को देखा तो कही भी ऐसा कोई पग के निशान नहीं मिले ना ही आसपास कही मिलें । वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने के लिए कारखाना परिसर में जाल भी लगाया। तलाशी करने के बाद कही भी तेन्दुआ नही मिला वन विभाग की टीम करीब पांच घंटे तक तेंदुए की छानबीन करती रही लेकिन कही भी कुछ नहीं मिला। तो टीम के सदस्यों ने आसपास के क्षेत्र के कारखानों व नागरिकों से जानकारी निकाली की तो बताया गया की ये तो पुराना विडियों हैं जिसको किसने ने डाल दिया था जिसके कारण कारखाने में हड़कंप मच गया और दिनभर काम रोकना पड़ा। वन विभाग की टीम ने इसे अफवाह बताया तब जाकर कारखाने में काम शुरू हुआ ।

जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर की तैयारिया पूरी, परीक्षा केंद्रों पर रहेंगी सीसीटीवी कैमरे

नकल रोकने माशिमं ने पूर्व में मांगी थी जानकारी, किए जाएंगे पुख्ता इंतजाम

हमारा स्वराज | धार

शहर सहित जिले के परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड परीक्षाओं के पहले नकल रोकने के लिए तैयारियां की जा रही है। यह कवायद प्रदेश स्तर पर जारी है। दरअसल माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा सभी जिलों से परीक्षा केंद्रों की वर्तमान स्थिति और मौजूदा संसाधन की जानकारी बुलवाई ली थी। इसमें सबसे खास सीसीटीवी कैमरों की जानकारी प्राथमिक के आधार पर उपलब्ध करवाने के लिए कहा है।

इस कारण जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जिले के सभी परीक्षा केंद्रों की जानकारी तैयार कर प्रस्ताव माशिमं को भेजा है। दरअसल कक्षा-10 और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं आगामी 25 फरवरी से शुरू होना प्रस्तावित है। इनमें नकल रोकना माशिमं की प्राथमिकता है।

इसलिए इस बार डिजिटल संसाधनों की हर संभव मदद लेकर नकल पर नकेल कसने की तैयारी की जा रही है। अमूमन हर बार सितंबर अंत तक ही परीक्षा केंद्र तय हो जाते है। साथही इनकी सूची तैयार फाइनल कर लिया जाता है, लेकिन इस बार नईव्यवस्था लागू होने करने के लिए परीक्षा केंद्र तय करने में अभी देरी हुई है।

निगरानी भी होगी डिजिटलः बताया जा रहा है कि नकल रोकने के लिए इस बार तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें परीक्षा के दौरान निगरानी की व्यवस्था भी डिजिटल रहेगी। ताकि उडनदस्ते जब नकल की सूचना पर मौके पर पहुंचे तो सीधे केस बनाया जा सके। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी के दौरान जहां भी नकल की स्थिति मिलेगी, वहां सीधे उडनदस्ता टीम कार्रवाई के लिए पहुंचेगी। अब तक आकस्मिक रूप से टीम पहुंचती है, जिसमें नकल के केस कम बनते है। मंडल पूरी तरह नकल रोकने की दिशा में काम कर रहा है। सहायक संचालक आनंद कुमार पाठक के अनुसार मंडल ने परीक्षा केंद्रों की जानकारी मांगी थी जो भेज दी गई थी वही अन्य जानकारी संबंधी प्रस्ताव माशिमं को भेज दिया है।

परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं जरूरी

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जिले के सभी परीक्षा केंद्रों की जानकारी मांगी थी। इसमें उन्हीं स्कूलों को केंद्र बनाने के लिए कहा है, जहां फर्नीचर, इंटरनेट, सीसीटीवी कैमरें, पेयजल और टॉयलेट जैसी मूलभूत सुविधाएं हैं। इस कारण निजी स्कूलों में इस बार परीक्षा केंद्र शुरू करने की संभावनाएं ज्यादा है। नए परीक्षा केंद्र को शुरू करने के लिए जिपं सीईओ को निर्णय लेने का अधिकार दिया गया है। माशिमं के अनुमोदन के बाद परीक्षा केंद्र फाइनल किया गया है मगर इस बार परीक्षा केंद्रों पर शिक्षा मंडल की कड़ी नजर रहेंगी।

फैक्ट फाइल

103 परीक्षा केंद्र पूरे जिले में।
14 परीक्षा केंद्र संवेदनशील।
20 केंद्रों पर है सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था।
15 से अधिक केंद्रों पर गलियारों में लगे है कैमरे।
78 परीक्षा केंद्रों पर नहीं है कैमरे

छात्रों की स्थिति

कक्षा	नियमित	प्राइवेट
10वीं	24159	2148
12वीं	20236	3684

पारधी गिरोह ने किया था करंट लगाकर तेंदुए का शिकार

जबलपुर। जबलपुर-मंडला की सीमा पर मृत मिले तेंदुए का शिकार करंट लगाकर पारधी गिरोह ने किया था। वन विभाग की टीम को पारधी गिरोह के ठिकाने से बड़ी संख्या वन प्राणियों के अवशेष और खाल मिली है। जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा गया था। इसके अलावा बड़ी संख्या में शिकार में उपयोग किये जाने वाले हथियार व दस मोटर साइकिल भी मिली है, जिन्हें वन विभाग की टीम ने जब्त कर लिया है। गौरतलब है कि पिपरिया वन परिक्षेत्र जबलपुर के अंतर्गत समाधि वनभूमि में तेंदुए की लाश मिली थी। मृत तेंदुआ के पिछले पैरों के पंजे गायब थे। निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए पोस्टमॉर्टम के बाद उसका अंतिम

संस्कार कर दिया गया था। वन परिक्षेत्र अधिकारी अपूर्व प्रखर शर्मा ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार तेंदुए की मौत करंट लगने से हुए थी। सीसीएफ कमल अरोड़ा तथा डीएफओ ऋषि मिश्रा के मार्गदर्शन में एनटीसीए के द्वारा जारी दिशा-निर्देश अनुसार घटना स्थल को सुरक्षित करते हुए डॉग स्क्वॉयड की सहायता ली गई। डॉग स्क्वॉयड की मदद से वन विभाग की टीम ने मंडला के बीजाडांडी थानान्तर्गत ग्राम देवरी में दबिश दी। दबिश के दौरान वन विभाग की टीम को एक घर से शिकार में उपयोग किए जाने वाले हथियार व पिंजरे मिले। इसके अलावा कई वन्य जीवों के अवशेष तथा खाल भी बरामद हुई। जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में कुछ अवशेष कार्निवोरस प्रजाति के जानवरों की है।

विश्वविद्यालय में लगे RSS विरोधी पोस्टर

जबलपुर। राष्ट्रीय भारतीय छात्र संगठन ने विगत दिवस रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आरएसएस पर प्रतिबंध लगाए जानें की मांग संबंधी पोस्टर लगाए थे। कुलसचिव के द्वारा इस संबंध में सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने एक एनएसयूआई कार्यकर्ता को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय से आरोपी को जमानत का लाभ मिल गया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी नेहरू खंडाते से प्राप्त जानकारी के अनुसार, विश्वविद्यालय के कुलपति ने एक फरवरी को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में एक संगठन के खिलाफ विवादित पोस्टर लगाए थे। विवादित पोस्ट में उक्त संगठन को संविधान विरोध सोच, आरक्षण विरोधी सोच, राष्ट्रीय चिन्हों का अपमान, महिला विरोधी मानसिकता, ईसाई-मुस्लिम वर्ग सहित अल्पसंख्यकों पर हमला, शिक्षा बजट में कटौती का उल्लेख करते हुए आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। कुलपति की शिकायत पर चार एनएसयूआई कार्यकर्ता के खिलाफ नामजद तथा अन्य अज्ञात आरोपियों के प्रकरण दर्ज कर लिया था।

वासंतिक रंग में रंगा नजर आया शहर

बड़वानी में वसंत पंचमी पर हुआ बटुक ब्राह्मणों का उपनयन संस्कार

हमारा स्वराज | बड़वानी

ऋतुराज वसंत का आगमन सोमवार को वसंत पंचमी के साथ हुआ। वसंत पंचमी के दूसरे दिन शहर वासंतिक रंग में रंगा नजर आया। विभिन्न समाजों द्वारा वसंत पंचमी के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान किए गए। श्री गौड़ मालवीय ब्राह्मण समाज द्वारा बटूकों का उपनयन संस्कार का आयोजन किया गया। लरानीपुरा स्थित धर्मशाला में श्री गौड़ मालवीय ब्राह्मण समाज का आयोजन सुबह 7 बजे से आरंभ हुआ। यहां बटूकों का यज्ञोपवित संस्कार विप्रजनों द्वारा विधि विधान से कराया गया। बटूकों के मुंडन जनेऊ संस्कार का आयोजन हुआ। कार्यक्रम पश्चात भोजन प्रसादी का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बड़वानी सहित आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित हुए। बटुकों के चौलकर्म एवं उपनयन संस्कार यज्ञोपवीत पंडित रामचन्द्र शुक्ला, प राकेश पुरोहित एवं पं दिनेश पुरोहित के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा सम्पन्न कराया गया।

इनका हुआ संस्कार

1. चि. कार्तिक आशीष जी शुक्ला,
2. चि. महिम्न आशीष जी शुक्ला,
3. चि. अक्षत रूपेश जी पण्डित,
4. चि. अम्बर रूपेश जी पण्डित,
5. चि. मोहित मंगेश जी पाठक
6. चि. योगेश मणीशंकर जी पाठक,
7. चि. मोहित श्याम जी जोशी
8. चि. अंश शेखर जी रावत
9. चिं. अवि दीपक जी मण्डलोई
10. चि. विवान दीपक जी मण्डलोई
11. चि. अनय श्याम जी रावल

पहले संस्कृत पाठशाला होती थी लेकिन अब नहीं

वरिष्ठ आचार्यों ने बताया कि पहले यहां पर पुराने समय में संस्कृत पाठशाला थी बड़े-बड़े विद्वान यहां पर उनका अध्ययन करवाते थे पूरे समाज में निमंत्रण दिया जाता था संस्कृत पाठशाला में पहले सभी बच्चों को अध्ययन कर ब्राह्मणों की विधि विधान के बारे में बताया जाता था लेकिन संस्कृत पाठशाला को बड़वानी के स्थान से हटा दिया गया है वही सरकार ने अपने अधिग्रहण में ले लिया था इसके बाद संस्कृत पाठशाला यहां से बंद हो गई है समाज के द्वारा संचालित की जाती थी वह बंद हो जाने से शासकीय हो जाने से वहां पर कोई आता जाता नहीं है वह भी लुप्त हो रही है हमारे प्रयास यह है कि यहां पर चालू करें हमारे राजा साहब महाराणा को इस बारे में अवगत करवाया था और हमारी पाठशाला मांगी भी थी कोर्ट में भी केस लगाया था लेकिन किसी कारण से वह प्राप्त नहीं हो पाई किसी थर्ड व्यक्ति को भेज दी गई इस चीज का बहुत दुख है हमें

उपनयन संस्कार के लिए कुछ मुहूर्त होते हैं

आचार्य राकेश पुरोहित ने बताया कि उपनयन संस्कार के लिए कुछ मुहूर्त होते हैं। विशेष महीने होते हैं।उन महीनो में अच्छी तारीख होना चाहिए। शुभ नक्षत्र होना चाहिए महासुद्धि देखकर के जिस प्रकार से विवाह के मुहूर्त होते हैं इ।सी प्रकार से मुंडन संस्कार चोल कर्म संस्कार है इसके अलावा अक्षय तृतीया ओर बसंत पंचमी यह बड़े पर्व माने जाते हैं इन पर्वों पर भी कार्यक्रम किया जाता है विशेष तरह के सामूहिक कार्यक्रम जो होते हैं बसंत पंचमी ओर अक्षय तृतीया को होते हैं

यज्ञोपवीत संस्कार के बाद क्या करे

आचार्य राकेश पुरोहित ने बताया की उपनयन संस्कार में एक विद्या अध्ययन करने के लिए पहले यज्ञोपवीत संस्कार होता था। अध्ययन करने के बाद में प्रत्येक ब्राह्मण को प्रतिदिन अपनी विद्या अध्ययन करना चाहिए।विद्या अध्ययन करने में संस्कृत भाषा में सभी वेद ऋग्वेद यजुर्वेद सामवेद अथर्ववेद जितने भी वेद है 18 उपनिषद है यह सभी संस्कृत में है पहले संस्कृत भाषा से ही उनका ज्ञान दिया जाता था अब संस्कृत विलुप्त होती जा रही है जैसा भी बनता है जितना भी बनता है गायत्री मंत्र का जाप उपनिषद है वेद है जितने भी अपनी शक्ति अनुसार से हो सके संस्कृत में इनका अध्ययन करना चाहिए और आजकल विद्या अध्ययन में भी बच्चों को इंग्लिश पढ़ाई जा रही है लेकिन संस्कृत नहीं पढ़ाई जा रही है जबकि संस्कृत देव वाणी मानी जाती है

क्या होता है उपनयन

आचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि उपनयन संस्कार जो की हिंदू धर्म के 16 संस्कारों में से एक है यज्ञोपवीत या जनेऊ संस्कार भी कहा जाता है यह संस्कार बालक को आचार्य व गुरु के पास से ले जाने से जुड़ा रहता है इस संस्कार के पश्चात बालक भी जाति में शामिल हो जाता है इस पूरी प्रक्रिया में उपनयन संस्कार जो कि बालक को यज्ञ पवित्र पहनकर किया जाता है जिसमें जानू में तीन सूत्र होते हैं जो ब्रह्मा विष्णु और महेश के प्रतीक होते हैं इस संस्कार के बाद बालक को वेदों के अध्ययन और गायत्री जाप और स्रोत शमराट जैसे कर्म करने का अधिकार मिल जाता है ऐसी मान्यता मानी जाती है कि इस संसार से बालक को बोल ऊर्जा और तेज मिलता है यज्ञ पवित्र संस्कार से बालक में अत्यधिक भाव जागृत होता है यज्ञोपवीत करने से बालक में अनुशासन पैदा होता है ऐसा बताया गया है कि ब्राह्मण बालक को आठवें साल में या 11वीं साल में उपनयन संस्कार कर लेना चाहिए

बागड़ी परिवार ने कराया 30 जोड़ों का निशुल्क विवाह

हमारा स्वराज | बड़वानी

ग्राम बगूद में 2 फरवरी को तीन परगणा क्षत्रिय कुमावत (मारू) समाज को एकजुट बनाए रखने के लिए बागड़ी परिवार ने निःशुल्क 30वां सामूहिक विवाह समारोह कराया। इस साल बसंत पंचमी पर निःशुल्क 30वां सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। जिसमें 8 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। जिन्हें आशीर्वाद देकर बधाई दी। सामूहिक विवाह सम्मेलन में सुबह बारातियों के लिए नाश्ते में पोहे जलेबी की व्यवस्था की गई एवं कुमावत (मारू) समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। वहीं 10वी 12 वी में उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को सम्मानित भी किया गया जिसमें प्राची संतोष कुमावत तलुन 10वी में 78.40%, अंशिका महेंद्र डाबी तलवाड़ा डेब 90.20%, वेदांती कालूराम गोले तलवाड़ा डेब 89.80% प्राप्त किए। वहीं 12 वी में तनीषा चंद्रशेखर कुमावत मेहगांव डेब ने 84.60%,सौम्या सुभाष मंडोरे मेहगांव डेब 85.40% मिताली कमल कुमावत एकलरा 91% प्राप्त किए इस तीन परगणा सामूहिक विवाह को सफल बनाने के लिए ग्राम बगूद में बागड़ी परिवार के इस सामूहिक विवाह सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी कुमावत (मारू) समाज सहित बगूद के ग्रामीणों ने अपना अपना योगदान दिया है। वही ग्राम बगूद के युवा साथियों ने भी सफलतापूर्वक सामूहिक विवाह सम्मेलन को पूर्ण करने में कार्य किया और संदेश दिया कि जहां समाज और देश में नारी का सम्मान होता है वही सभ्य है।

सरस्वती पूजन के साथ छात्राओं को दिलाई पर्यावरण बचाने की शपथ

हमारा स्वराज | बड़वानी

शासकीय कन्या महाविद्यालय बड़वानी मे 03 फरवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर ज्ञान की देवी माँ सरस्वती का हर्षोल्लास के साथ पूजन किया गया। प्रभारी प्रचार्य एवं ईको क्लब प्रभारी डॉ. कविता भदौरिया के द्वारा माँ सरस्वती का पूजन किया गया। साथ ही वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. स्नेहलता मुझाल्दा, डॉ. मनोज वानखेड़े, प्रो. सीमा नाईक, डॉ. स्मिता यादव डॉ. इन्दु डावर, प्रो. प्रियंका शर्मा, प्रो. आयुषी व्यास, रेखा बिसेन, प्रो. पदमा आर्य सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापको एवं छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती का पूजन किया गया एवं सरस्वती संदीप दासौंधी के द्वारा प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर ईको क्लब इकाई डॉ. कविता भदौरिया ने पर्यावरण को बचाने का संदेश देते हुये छात्राओं को जल संरक्षण वायु संरक्षण एवं उर्जा सरंक्षण की शपथ दिलाते हुये कहा कि हम सभी को अपने पर्यावरण की रक्षा करना है इसके लिये हम प्रतिज्ञा करते है कि कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेगे जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुँचे। वेट लेण्ड दिवस के अवसर छात्राओं को वेट लेण्ड के आसपास जलीय जीव जंतुओं के संरक्षण की बात रखी गई। सम्पूर्ण कार्यक्रम के आयोजन में महाविद्यालय के दीपक बिल्लौरे का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त कार्यालयीन स्टॉफ भी उपस्थित रहा।

जिला स्तरीय तंबाकू नियंत्रण कार्यशाला का हुआ आयोजन

तंबाकू खाने से प्रदेश में हो जाती हैं हर साल लगभग 14 लाख लोगों की मौत

हमारा स्वराज | बड़वानी

जिला स्तरीय तंबाकू नियंत्रण कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत कार्यालय, बड़वानी के सभागार में सोमवार को किया गया। कार्यशाला के दौरान स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग सामाजिक न्याय विभाग, जनजाति कल्याण विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यशाला की अध्यक्षता कलेक्टर गुंचा सनोबर द्वारा की गई। कार्यशाला के दौरान आनंद वर्मा, सोनम विधानी मध्य प्रदेश वोलंटरी हेल्थ एसोसिएशन एवं सदस्य जिला एवं राज्य स्तरीय समिति ने तंबाकू नियंत्रण कानून की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए कहा के मध्य प्रदेश 13 से 14 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के कारण होती है। वैश्विक वयस्क तंबाकू सर्वेक्षण (2016-17) के अनुसार मध्य प्रदेश में 34 प्रतिशत वयस्क किसी न किसी रूप में तंबाकू सेवन करते हैं, और वैश्विक युवा तंबाकू सर्वेक्षण 2019 के अनुसार मध्य प्रदेश में 13-15 वर्ष के 3-9 प्रतिशत विद्यार्थी किसी न किसी रूप में तंबाकू सेवन करते हैं। तंबाकू समस्या को नियंत्रित करने के लिए भारत सरकार

द्वारा तंबाकू नियंत्रण कानून सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम 2003 (कोटपा - 2003) बनाया गया है। इस कानून की धारा-6 के अनुसार नाबालिगों को/द्वारा तंबाकू उत्पाद की बिक्री दंडनीय अपराध है। शैक्षिक संस्थानों की 100 गज दूरी में किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद की बिक्री प्रतिबंधित है। इसी के साथ उन्होंने यह भी बताया की तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान - भारत सरकार की तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान गाईडलाइन्स, राज्य सरकार के आदेश एवं भारतीय तम्बाकू नियंत्रण कानून की विभिन्न धाराओं के अनुसार जिले के समस्त शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त बनाया जाए इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट प्रतिषेध अधिनियम, 2019 के अनुसार सिगरेट पूर्णतः प्रतिबंधित है प्रतिषेध कानून 2019 की धारा 4 के अनुसार ई दृ सिगरेट का उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय, वितरण, विज्ञापन पर प्रतिषेध है जिले में यदि कोई भी व्यक्ति प्रत्यक्षतः या परोक्ष रूप से इसमें लिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ उचित दंडात्मक कार्यवाही की जा सकती राज्य सरकार ने हुक्का बार प्रतिबंधित किया है यदि कोई हुक्का बार संचालित करते हुए पाया जाता है तो दंडात्मक कार्यवाही के रूप में आर्थिक हर्जाना एवं कारावास का प्रावधान है। डॉ. सुरेखा जामरे मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी बड़वानी ने राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की जानकारी साझा करते हुए कहा की समिति की बैठक हर तिमाही राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित की जाएगी एवं जिले के समस्त विभागों के साथ समन्वय कर कार्यक्रम को सशक्त बनाया जाएगा। कलेक्टर गुंचा सनोबर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा सार्वजनिक स्थानों को धूम्रपान मुक्त करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी द्वारा जिला तम्बाकू नियंत्रण समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाए। पुलिस विभाग की जिला स्तरीय अपराध बैठक में तम्बाकू नियंत्रण अधिनियम की धारा 4, 5, 6, एवं 7 के अंतर्गत की गई कार्रवाई की समीक्षा की जाए। नगर पालिका, निगम अधिकारी धारा 5 के तहत तम्बाकू उत्पादों के प्रदर्शित विज्ञापनों को हटाने की कार्रवाई करें।

छात्रावास अधीक्षक ने छात्राओं से की मारपीट

हमारा स्वराज | अनूपपुर

एक ओर जहां पूरे क्षेत्र के स्कूल एवं हॉस्टल में बसंत पंचमी को लेकर जोरों से तैयारी चल रही थी। बच्चियों में जमकर उत्साह था। वहीं, दूसरी ओर नगर के वार्ड क्रमांक चार में स्थित कन्या शिक्षा परिसर प्रभारी प्रभा मरावी के द्वारा एक दर्जन से ज्यादा बच्चियों को लोहे की पाइप से निर्दयता पूर्वक पिटाई करते हुए शिक्षा के मंदिर को कलंकित कर दिया।

रात के समय हुई घटना को बच्चियों ने किसी तरह डरे सहमें पूरी रात गुजारी, जिसके बाद सोमवार सुबह घटना की जानकारी प्राचार्य अजय सिंह चौहान सहित अपने परिजनों को दी गई। प्राचार्य के द्वारा भी उच्च अधिकारियों को जानकारी देते हुए थाने में छात्रावास अधीक्षिका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने पीड़ित 12 वर्षीय मासूम बच्चियों की शिकायत पर आरोपी हॉस्टल अधीक्षका प्रभा मरावी के खिलाफ गाली-गलौज कर मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी सहित बालकों के संरक्षण अधिनियम की धारा-75 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मारपीट से आहत बच्चियों ने थाने में बताया कि रविवार रात 10 बजे के लगभग हॉस्टल अधीक्षिका प्रभा मरावी द्वारा कमरे में आकर अपशब्दों का प्रयोग कर सभी छात्राओं को लोहे की पाइप से मारपीट शुरू कर दी गई।

इस दौरान जो छात्राएं सो गई थी, उनको भी उठाते हुए गंदे शब्दों का उपयोग कर पिटाई की गई। सभी के सामने सोमवार को कक्षा आठवीं की छात्राओं के साथ भी इसी प्रकार का बर्ताव करने की धमकी दी गई। थाने में रिपोर्ट के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी आरके मिश्रा, प्रभारी प्राचार्य अजय सिंह चौहान व बच्चियों के परिजन भी उपस्थित थे।

सोने के भाव ने MCX पर बनाया नया रिकॉर्ड, जल्द छू सकता है 87 हजार का स्तर

वीरेंद्र व्यास | इंदौर/मुंबई

सोने की कीमतों ने नया रिकॉर्ड बनाया है। सोमवार को सोने का MCX पर भाव 83000 के करीब पहुच गया। अप्रैल वायदा शाम को 600 रुपए की तेजी के साथ 82900 पर ट्रेड कर रहा था। डोनाल्ड ट्रम्प के चीन, मैक्सिको और कनाडा पर टैरिफ लगाने के बाद डॉलर में तेजी आई और डॉलर इंडेक्स 110 के करीब पहुंच गया। भारत में इसका असर रुपए पर पड़ा और रुपया 87 के पार चला गया। इस कारण भारत में सोने चांदी में तेजी आ गई। चांदी का वायदा MCX पर 650 रुपए की तेजी के साथ 93900 के करीब पहुंच गया।

सर्राफा में सोने के हाजिर भाव ने बनाया रिकॉर्ड

सोने के हाजिर बाजार में भी तेजी का रुख जारी है। सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी के ये भाव दर्ज किए गए:

* 24KT (99.50%) 84,500 प्रति 10 ग्राम
* 23KT – 82,400 प्रति 10 ग्राम
* 22KT – 79,000 प्रति 10 ग्राम
* 20KT – 72,000 प्रति 10 ग्राम
* 18KT – 65,000 प्रति 10 ग्राम
* 14KT – 51,800 प्रति 10 ग्राम
* 9999 शुद्ध चांदी – 95,300 प्रति किलोग्राम

धनतेरस तक सोना 87 हजार, चांदी जा सकती है 1 लाख के पार

कमोडिटी विशेषज्ञों के अनुसार, यह उछाल आगे भी जारी रह सकता है। HDFC सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के मुताबिक, धनतेरस 2025 तक सोने का भाव 85,300 से 87,000 तक जा सकता है, जबकि चांदी 1,03,000 के स्तर को पार कर सकती है।

धनतेरस तक सोना 87000 जा सकता है

गुप्ता ने सोने को 75500-75700 रुपए पर ख़रीदने की सलाह दी है। गुप्ता के मुताबिक गिरावट आती है तो 73500-73700 पर और खरीद की जा सकती है। धनतेरस 2025 तक सोने का भाव 85300 से 87000 तक जा सकता है। उन्होंने 71500 का स्टॉपलॉस लगाने की सलाह दी है।

चांदी में भी रहेगी तेजी, 1 लाख के पार जाएगी

गुप्ता ने चांदी को 86000-86500 पर खरीदने की सलाह दी है। 83000 तक गिरावट आने पर और खरीद करने की सलाह दी है। गुप्ता के मुताबिक भाव 97000-103000 तक जा सकता है। इसके लिए स्टॉपलॉस 78000 दिया है। गुप्ता के मुताबिक भाव को 86000, 83520, 78300 पर सपोर्ट है। रेसिस्टेंस 97000, 100800, 103000 पर है। विशेषज्ञों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर इंडेक्स में गिरावट और केंद्रीय बैंकों की नीतियों के चलते निवेशकों का रुझान सोने की ओर बढ़ रहा है। इससे आगामी महीनों में सोने और चांदी की कीमतों में और तेजी देखने को मिल सकती है।

आज लॉन्च होगा सैमसंग का नया फोन

सिर्फ 30 मिनट में सैमसंग गैलेक्सी S25 सीरीज डिलीवर करेगा रिलायंस डिजिटल

हमारा स्वराज | मुंबई

भारत की अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन रिलायंस डिजिटल, 4 फरवरी 2025 को लॉन्च होने वाले बिल्कुल नए सैमसंग गैलेक्सी S25 सीरीज़ फ़ोन के लिए बिजली की गति से 30 मिनट की डिलीवरी की पेशकश कर रही है। www.reliancedigital.in के ज़रिए ऑर्डर करने वाले ग्राहक अब उसी दिन अपने डिवाइस प्राप्त कर सकते हैं, जो पूरे भारत में इसके 650+ स्टोर के विशाल नेटवर्क का लाभ उठा रहा है।

इससे यह सुनिश्चित होता है कि सैमसंग के प्रशंसकों को अब अत्याधुनिक तकनीक का अनुभव करने के लिए इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा। निर्बाध पूर्ति प्रक्रिया कंपनी की गहन सर्वव्यापी क्षमताओं द्वारा संचालित होती है, जो कुशल अंतिम-मील डिलीवरी सुनिश्चित करती है। ग्राहक चुनिंदा शहरों में www.reliancedigital.in पर अपना ऑर्डर देकर, चेकआउट पर 'सबसे तेज़ डिलीवरी' विकल्प चुनकर, और 30 मिनट के भीतर परेशानी मुक्त डोरस्टेप डिलीवरी का आनंद लेकर इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। यह सेवा स्टोर की उपलब्धता और स्थान की निकटता के अधीन है। रिलायंस डिजिटल के साथ अगली-स्तर की गति का अनुभव करें - अपना सैमसंग गैलेक्सी S25 सिर्फ़ 30 मिनट में पाएं।

रिलायंस डिजिटल के बारे में

रिलायंस डिजिटल भारत में सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर है, जिसकी मौजूदगी 800 से ज्यादा शहरों में है, जिसमें 610+ बड़े फ़ॉर्मेट वाले रिलायंस डिजिटल स्टोर और 1800+ माय जियो स्टोर हैं, जो देश के हर कोने में ग्राहकों की सेवा करते हैं, और सभी के लिए नवीनतम तकनीक सुलभ बनाते हैं। 300 से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ब्रांड और 5000 से ज़्यादा उत्पादों के साथ, रिलायंस डिजिटल के पास ग्राहकों को उनकी जीवनशैली के लिए सही तकनीक समाधान खोजने में मदद करने के लिए मॉडलों का सबसे बड़ा चयन है। रिलायंस डिजिटल में, हर स्टोर पर प्रशिक्षित और अच्छी तरह से सूचित कर्मचारी हमेशा ग्राहकों को हर उत्पाद के बारे में हर विवरण के बारे में सलाह देने में खुश होते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रिलायंस डिजिटल अपने सभी उत्पादों के लिए बिक्री के बाद की सेवा प्रदान करता है। रिटेलर की सेवा शाखा और भारत का एकमात्र ISO-9001 प्रमाणित इलेक्ट्रॉनिक्स सेवा ब्रांड, रिलायंस resQ पूरे सप्ताह सहायता के लिए उपलब्ध है, और एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। खरीदारी में आसानी के लिए उपभोक्ता रिलायंस डिजिटल स्टोर पर जा सकते हैं या www.reliancedigital.in पर लॉग ऑन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए www.reliancedigital.in पर लॉग ऑन करें।

नया आयकर विधेयक जल्द संसद में, उद्योग जगत से सुझाव आमंत्रित

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने सोमवार को उद्योग जगत से नए आयकर विधेयक पर अपने सुझाव देने की अपील की। यह विधेयक इस सप्ताह संसद में पेश किया जाएगा और 1961 के आयकर अधिनियम की जगह ले सकता है। इसे छह महीने के भीतर तैयार किया गया है और इसका उद्देश्य कर अनुपालन को सरल और सुगम बनाना है।

नए विधेयक की भाषा को सरल और स्पष्ट बनाया गया है ताकि करदाताओं के लिए इसे पढ़ना और समझना आसान हो। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप इसे कम जटिल और संक्षिप्त बनाया गया है। पुराने और अप्रासंगिक प्रावधानों को हटाकर इसे कम बोझिल करने पर ध्यान दिया गया है।

उद्योग जगत से सुझाव मांगे, विचार का आश्वासन

रवि अग्रवाल ने उद्योग जगत से कहा कि विधेयक के संसद में पेश होने के बाद वे अपने सुझाव दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

अपडेटेड आईटीआर से 8,500 करोड़ का अतिरिक्त राजस्वः अग्रवाल ने अपडेटेड आयकर रिटर्न (आईटीआर-यू) पर बात करते हुए बताया कि पिछले तीन वर्षों में 90 लाख से अधिक ऐसे रिटर्न दाखिल किए गए, जिससे सरकार को 8,500 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में घोषणा की थी कि अद्यतन आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा दो साल से बढ़ाकर चार साल कर दी गई है।

कर विभाग अब 'सहभागी दृष्टिकोण' अपना रहा

अग्रवाल ने कहा कि आयकर विभाग अब "प्रतिकूल" नहीं बल्कि "सहभागी" दृष्टिकोण अपना रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग "प्रूडेंट" (PRUDENT) सिद्धांत के आधार पर काम कर रहा है, जिसमें:

P – प्रोएक्टिव (सक्रिय व पेशेवर)
R – रूल-बेस्ड (नियम आधारित)
U – यूजर-फ्रेंडली (उपयोगकर्ता अनुकूल)
D – डेटा-ड्रिवन (डेटा आधारित)
E – एनैब्लिंग एनवायरनमेंट (सक्षम वातावरण)
N – नॉन-इंटरवेंशनिस्ट (गैर-हस्तक्षेप)
T – ट्रांसपेरेंसी (पारदर्शिता)

अग्रवाल के अनुसार, कर प्रशासन में यह बदलाव करदाताओं के अनुभव को बेहतर बनाने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए किया गया है। नए विधेयक के लागू होने के बाद कर व्यवस्था अधिक सरल, तर्कसंगत, जवाबदेह बनने की उम्मीद है।

डी गुकेश को हराकर प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास

एजेंसी | नई दिल्ली

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स का खिताब जीत लिया। प्रज्ञानंद ने विश्व चैंपियन डी गुकेश को टाईब्रेकर में 2-1 से खिताब पर कब्जा जमा लिया। बता दें कि इससे पूर्व दोनों भारतीय खिलाड़ी अंतिम दिन अपनी बाजियां हार गए थे लेकिन दोनों की बीच खिताब के लिए टाईब्रेकर मुकाबला हुआ था। जिसमें प्रज्ञानंद ने बाजी मारी। प्रज्ञानंद और गुकेश दोनों को अपने अंतिम दौर में मैचों में हार का सामना करना पड़ा। गुकेश को अर्जुन एरिगैसी ने हराया, जबकि प्रज्ञानंद जर्मनी के विंसेंट कीमर से हार गए। इन असफतलाओं के बावजूद, वे लीडरबोर्ड में टॉप पर बने रहे, जिससे टूर्नामेंट टाईब्रेकर में चला गया।

प्रज्ञानंद ने मास्टर्स में पूर्ण अंक प्राप्त करने और अपनी पहली जीत हासिल करने के लिए सही तकनीक का प्रदर्शन किया तो दूसरी और गुकेश के लिए, ये लगातार दूसरा साल था जब वह पहले स्थान के लिए बराबरी पर रहे और टाईब्रेकर हार गए, पिछले साल के पिछले सीजन में गुकेश चीनी वेई यी से भी हार गए थे। जहां गुकेश को अपने साथी भारतीय खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी से हार का सामना करना पड़ा वहीं प्रज्ञाननंदा जर्मनी के विंसेंट कीमर से हार गए। प्रज्ञाननंदा ने अपनी जीत के बाद टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट से कहा, ''मेरे हाथ अब भी कांप रहे हैं। यह कितना रोमांच से भरा दिन था। मेरे पास इसको व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं है। मुझे वास्तव में जीत की उम्मीद नहीं थी लेकिन चीजें मेरे अनुकूल होती रही।'' केवल दो साल की उम्र से शतरंज खेल रहे प्रज्ञाननंदा ने कहा, ''मेरे लिए यह दिन खास है क्योंकि मैंने टूर्नामेंट जीता है। लेकिन निश्चित तौर पर यह तनाव से भरा दिन था।'' गुकेश ने टाईब्रेकर में पहली बाजी जीतकर बढ़त बनाई लेकिन प्रज्ञाननंदा ने इसके बाद शानदार वापसी करके अगली दोनों बाजियां जीत कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रज्ञाननंदा ने कहा, ''विंसेंट के खिलाफ मैं उस स्तर के आसपास भी नहीं खेल पाया, जिस स्तर पर मैं यहां खेल रहा था। मुझे अर्जुन को कोई उपहार देना चाहिए क्योंकि कई बार मुझे लगा कि गुकेश ने टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन किया।'' उन्होंने कहा, ''मैं जीत का लक्ष्य लेकर यहां आया था लेकिन चुनौती काफी कड़ी थी।मैं वास्तव में कल तक इसके बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा था। मैं काफी थक चुका हूं और अब थोड़ा विश्राम करना चाहता हूं।'' गुकेश को यहां लगातार दूसरे वर्ष टाईब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा।

डब्ल्यूपीएल ने महिला क्रिकेट को लेकर बदल दिया रवैया

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना ने महिला क्रिकेट को लेकर 'रवैया' बदलने का श्रेय महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अन्य खेलों में भी इस तरह की सफलता की कहानियां देखने को मिलेंगी। मंधाना की टीम ने पिछले साल डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता था। यह फ्रेंचाइजी क्रिकेट में टीम का पहला खिताब था। बायें हाथ की इस सलामी बल्लेबाज ने यहां 'स्पोर्ट्स फॉरवर्ड नेशन' की रिपोर्ट के जारी करने के मौके पर कहा कि हम डब्ल्यूपीएल से पहले भी बिग बैश जैसी लीग में खेलते थे। मंधाना ने कहा कि हर कोई हमसे पूछता था कि हमारी अपनी लीग कब होगी और डब्ल्यूपीएल की शुरुआत ने महिला क्रिकेट को लेकर लोगों के रवैये को बदल दिया।'' मंधाना की टीम 14 फरवरी से शुरू हो रहे डब्ल्यूपीएल के तीसरे सत्र में खिताब का बचाव करने

उतरेगी। उन्होंने कहा, '' इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने पुरुष क्रिकेट को बहुत बढ़ावा दिया है। वह शानदार है और महिला क्रिकेट के लिए डब्ल्यूपीएल ऐसा ही कर सकता है। दूसरे खेलों से भी ऐसी (डब्ल्यूपीएल) कहानियों का सामने आना प्रेरणादायक होगा।

खुद हेड कोच गौतम गंभीर ने खोले राज

टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम की सच्चाई आ गई सामने

एजेंसी | नई दिल्ली

लंबे समय से टीम इंडिया में विवाद को लेकर कई खबरें सामने आई थीं। यहां तक कहा गया कि कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच गौतम गंभीर के रिश्ते में दरार है। दोनों की आपस में बन नहीं रही है। कई रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया था कि गंभीर और रोहित के बीच तीखी बहस भी हुई। अब इन सभी मुद्दों पर खुद गौतम गंभीर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अब उन्होंने भारतीय ड्रेसिंग रूम के सारे राज खोल दिए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज 4-1 से जीतने के बाद गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी केविन पीटरसन से बातचीत की। टीवी पर पीटरसन को दिए इंटरव्यू में गंभीर ने कहा कि, ये खिलाड़ी एक-दूसरे के साथ काफी क्रिकेट खेल चुके हैं। पहले भी इस तरह की खबरें आई हैं। ये सब सिर्फ अफवाह है, जब भी टीम का प्रदर्शन खराब होता है तो ऐसी खबरें आने लगती है। लेकिन जब टीम जीतने लगती है तो सब शांत हो जाता है। गंभीर ने अपने बयान से ये साफ कर दिया है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली से उनके विवाद की खबरें महज अफवाह थीं। वहीं टीम इंडिया में कोई फूट नहीं है। गंभीर ने ये भी साफ कर दिया है। गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 में हुए कन्कशन सब्स्टीट्यूट के विवाद पर भी चुप्पी तोड़ी। हालांकि, ये पहला मौका नहीं है, जब टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम की टकरार पर सफाई दी गई है। इससे पहले कप्तान रोहित शर्मा ने भी इन खबरों को सिरे से खारिज किया था। गंभीर ने आगे कहा कि शिवम दुबे कंफर्म चार ओवर फेंक देता।

करैरा के मामौनी गांव की घटना

दूसरे दिन बांट दिया भंडारे का भोजन, 200 लोग बीमार

हमारा स्वराज | करैरा

शिवपुरी जिले के करैरा जनपद के मामौनी गांव मे मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम मे आयोजित भंडारे में प्रसादी ग्रहण करने के कारण तीन गांव के 200 लोगो से अधिक बीमार हाने की खबर है। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में भंडारा बच गया था इस कारण दूसरे दिन पुनःइस भंडारे को बांटा गया था। रविवार की शाम तक चले इस पुनःइस भंडारे को खाने के बाद देर रात भंडारा ग्रहण करने वाले लोगो का उल्टी दस्त की शिकायत होने लगी।

इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में ही कैंप लगाकर मरीजों की जांच कर रही है। गांव में मरीजों की संख्या ज्यादा होने से स्कूल में लोगों का इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि हर घर में एक से दो मरीज हैं। मरीजों की संख्या बढ़ सकती है। जानकारी के मुताबिक मामौनी गांव में शनिवार को गांव मे हनुमान जी की प्रतिमा का प्रतिष्ठा का आयोजन का भंडारा संपन्न हुआ था,इस भंडारे में आलू मटर की सब्जी और बूंदी बनाई गई थी। लगभग आधा दर्जन गांव के लोगा इस सार्वजनिक भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे थे। शनिवार को आयाजित इस

भंडारे में बहुत सारा प्रसाद बच गया था।

रात 2 बचे भंडारे का कहर देखने को मिला

ग्रामीणो का कहना था कि अचानक से रात के 2 बजे के बाद भंडारे को ग्रहण करने वाले लोगो के पेट में दर्द होना शुरू हो गया। कई लोगो को उल्टी दस्त की शिकायत होने लगी। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम सोमवार सुबह गांव पहुंची और सभी का इलाज शुरू किया। ग्राम पंचायत मामोनी कला के सरपंच पति विनोद मिश्रा ने बताया, अब तक करीब 60 से ज्यादा लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया है, जबकि अन्य का प्राथमिक उपचार गांव में ही किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने मामोनी कला, लड़ाईपुरा और तरपन का पुरबा गांवों में 6 डॉक्टरों की टीम तैनात की है। इसमें शिवपुरी से मेडिसिन एक्सपर्ट डॉ. एसके पिप्पल, बीएमओ रोहित भदकारिया नर्सिंग स्टाफ तैनात किया है।

आयोजकों ने तिरपाल में बांध कर रख दिया

बताया जा रहा है कि शनिवार को आयोजित इस भंडारे को आयोजको ने बूंदी ओर पूडी हो तिरपाल में बांध कर रख दिया था। रविवार को पुनःइस भंडारे का वितरण किया गया और रविवार की देर शाम तक इस भंडारे का वितरण किया गया था। कुछ लोग मंदिर पर बैठकर ही भंडारे को ग्रहण कर गए थे वही कुछ लोग इस बचे हुए भंडारे की सामाग्री को अपने घर भरकर ले गए थे।

इनका कहना है

प्रारंभिक जांच में फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आया है। हालांकि वास्तविक कारण की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। अब तक 170 की जांच की जा चुकी है, जो उल्टी, दस्त और बुखार से पीडित मिले हैं। फिलहाल सभी मरीजों का इलाज जारी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

संजय ऋषेश्वर,जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

शाढ़ौरा पुलिस ने स्कूली बच्चों को दी जानकारी

साइबर अपराधों से बचाने चला जागरुकता अभियान

हमारा स्वराज | शाढ़ौरा

पुलिस ने साइबर अपराधों से कैसे सुरक्षित रखने विषय पर बच्चों एंव नगरवासियों को महत्व पूर्ण जानकारीयां दी। सोमवार दोपहर को 1 बजे सिटी पब्लिक स्कूल में एंव दोपहर 2 बजे बस स्टैंड पर थाना प्रभारी सत्येन्द्र सिंह कुशवाह एंव एएसआई अपेक्षित रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि हम अपने को सायबर अपराधियों से कैसे सुरक्षित रख सकते है? अपराधी नए-नए तरीकों से अपराध में सफल होते है। मगर हम कैसे अपराध से सुरक्षित रह सकते है। स्कूली छात्रों ने अपनी शंकाओं को रखा, जिसका समाधान भी पुलिस द्वारा बताया गया। पुलिस परिवार द्वारा 1 फरवरी से 11 फरवरी तक नगर सहित अंचल भर में सेफ क्लिक अभियान के माध्यम से जनता को सजग एंव सुरक्षित रहने की जानकारी दी जा रही है। शाढ़ौरा पुलिस थाना प्रभारी कुशवाह ने बताया कि मंगलवार को दोपहर 2 बजे पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन अभियान के तहत शाढ़ौरा मे जनता से साइबर अपराधों से कैसे बचें, इस विषय पर चर्चा भी करेंगे।

साइबर क्राइम से बचाव के लिए स्कूली बच्चों ने निकाली रैली

हमारा स्वराज | नईसराय

नईसराय थाना क्षेत्र में साइबर अपराध से बचाव को लेकर सोमवार को शाम 4 बजे एक महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान चलाया गया। 'सेल्फ क्लिक' अभियान के अंतर्गत जीवाजी स्कूल नईसराय के छात्र-छात्राओं ने एक विशेष जागरूकता रैली का आयोजन किया। यह रैली म्याना तिराहे से शुरू होकर शाढौरा तिराहे तक निकाली गई। रैली में थाना प्रभारी पुनीत दीक्षित ने भी सक्रिय भागीदारी की। इस दौरान छात्रों ने स्थानीय लोगों को साइबर अपराध से बचने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि कैसे ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचा जा सकता है और किस तरह अपनी डिजिटल सुरक्षा को मजबूत किया जा सकता है। यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। स्कूली छात्रों के माध्यम से यह संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया गया, जिससे लोग साइबर सुरक्षा के प्रति और अधिक सतर्क हो सकें।

अशोकनगर में ट्रक पलटने से हादसा

क्लीनर के पैर टूटे, ड्राइवर को मामूली चोट; साबुन से भरा ट्रक कोर्ट के सामने पलटा

हमारा स्वराज | अशोकनगर

अशोकनगर में सोमवार की सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। जिला न्यायालय के सामने गुना रोड पर साबुन, निरमा व तगाड़ियों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि ड्राइवर को मामूली चोटें आईं। घटना तड़के की है, जब ट्रक (MP 09 HH 6823) अशोकनगर से गुना की ओर जा रहा था। ट्रक में निरमा साबुन और तगड़ी लदी हुई थी। बरखेड़ी स्थित जिला न्यायालय के पास ट्रक अचानक पलट गया, जिससे क्लीनर कुक्कू निवासी अशोकनगर के दोनों पैर ट्रक के नीचे दब गए। ड्राइवर बिरजा ग्वाल, जो शनिदेव मंदिर के पास अशोकनगर का रहने वाला है, को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलते ही कोतवाली थाने से एएसआई अवधेश रघुवंशी, प्रधान आरक्षक सूरज सिंह गुर्जर और सत्येंद्र बैरागी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से क्लीनर को ट्रक के नीचे से निकाला गया। घायलों को डायल 100 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि सुबह का समय होने के कारण सड़क पर भीड़-भाड़ नहीं थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

जेठ-जिठानी ने विवाहिता को जबरन पिलाया कीटनाशक

अशोकनगर। कचनार थाना क्षेत्र के बरोदिया गांव में घरेलू विवाद के चलते एक 30 वर्षीय विवाहिता को जबरन कीटनाशक पिलाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की हालत गंभीर बनी हुई है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, बरोदिया निवासी सीता यादव (30) पत्नी अंकेश यादव का अक्सर उसके जेठ अरुण कुमार और जेठानी प्रिया से पारिवारिक विवाद होता था। बताया जा रहा है कि गत दिवस जब सीता घर में थी, तभी अरुण और प्रिया वहां पहुंचे और कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर अरुण ने सीता के हाथ पकड़ लिए और उसकी जेठानी प्रिया ने जबरन उसे कीटनाशक दवा पिला दी। कीटनाशक पीने के बाद विवाहिता की हालत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजनों ने तत्काल उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कचनार थाना पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर विवाहिता के बयान दर्ज किए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किराना दुकान से तेल कैन, आटा की कट्टी, नगदी चोरी

हमारा स्वराज | अशोकनगर

अशोकनगर में कोलूआ रोड स्थित बस स्टैंड के पास एक किराना दुकान में रविवार की रात को चोरी की बड़ी वारदात हुई। कनेरा ब्रदर्स नाम की इस दुकान से चोरों ने तेल के कैन, आटे की बोरियां, काजू-किशमिश सहित कीमती सामान और नकदी चुरा ली।

हालांकि पुलिस ने चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने कुछ ही घंटे में पकड़ लिया है। देहात थाना प्रभारी रवि प्रताप चौहान ने बताया कि यह चोरी पास की ही नहर कॉलोनी के रहने वाले विकास टिकिया ने सुबह करीब 4:30 बजे ताले की थी।

सीसीटीवी कैमरे में चोर तेल के कैन ले जाते हुए दिखाई दे रहा था, जिसे पुलिस ने कुछ घंटे में ही पकड़ लिया। साथ ही चुराए हुए तेल के केन व नगद रुपए बरामद कर लिए हैं। कुछ सामान चोर के घर मिला है जबकि कुछ पास में रहने वाले मंत्री हल्वाई नाम के व्यक्ति के यहां से बरामद किया है।

बसंत पंचमी पर विशेषः अशोकनगर में 300 बच्चों का विद्यारंभ संस्कार, मां सरस्वती की पूजा-अर्चना

हमारा स्वराज | अशोकनगर

अशोकनगर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मां सरस्वती का प्राकट्य दिवस और विद्यारंभ संस्कार एक साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत चारों वेदों - ऋग्वेद, सामवेद, अथर्ववेद और यजुर्वेद की कलश यात्रा से हुई, जो विद्यालय से चिंताहरण मंदिर तक घोष दल के साथ निकाली गई। मुख्य अतिथि डॉ. अनुराधा यादव ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्राचार्य महेश त्यागी ने बताया कि भारतीय संस्कृति में वर्णित 16 संस्कारों में से एक विद्यारंभ संस्कार है, जो नए प्रवेशी छात्र-छात्राओं का किया गया। गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा 7 कुंडीय हवन यज्ञ में आहुतियां दी गईं। विशेष रूप से, पहली बार विद्यालय में प्रवेश लेने वाले बच्चों को उनकी मां की गोद में बैठाकर पट्टी पर 'ॐ' अक्षर लिखवाया गया और उनके कान में 'ॐ' का उच्चारण किया गया। मुख्य अतिथि ने बसंत पंचमी पर पीले रंग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह ऋतु प्रकृति में परिवर्तन का संकेत है, जो मनुष्य को जीवन में बदलाव की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम में कुल 430 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 300 बच्चों का विद्यारंभ संस्कार संपन्न हुआ। इस अवसर पर 5 नए छात्र-छात्राओं का विद्यालय में प्रवेश भी हुआ। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के आचार्य कमल चौहान ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

स्वामी वन टू वन मीडिया एंड कम्युनिकेशन के लिए मुद्रक/प्रकाशक जितेंद्र कोठारी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, सांवेर रोड, जिला-इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 219, स्कीम नंबर-134, सेक्टर-बी, स्टार चौराहा के पास, जिला इंदौर (म.प्र.) 452010 से प्रकाशित । संपादक- मृदुल जैन*। स्थानीय सम्पादक- विकास सिंह चौहान। आरएनआई नं. **MPHIN**/2016/66794, मो. 83570-89000, **Email-hamara.swaraj@gmail.com** समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार।